संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 125 शुक्रवार 07 मार्च 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

अरविंद केजरीवाल को मिलती रहेगी जेड कैटेगरी की सुरक्षा

व्हीआईपी सिक्योरिटी रिव्यू के बाद एमएचए ने लिया फैसला

नई दिल्ली,06 मार्च 2025(ए)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को जेड कैटेगरी की सुरक्षा मिलती रहेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सिक्योरिटी रिव्यू के बाद यह फैसला लिया है। फैसले के बाद केजरीवाल की जेड कैटेगरी सुरक्षा को फिलहाल बरकरार रखा गया है। हालांकि, आईबी और दिल्ली पुलिस के द्वारा खतरे के आकलन के बाद इस पर आगे फैसला लिया जाएगा।

लिव इन में रहकर महिला नहीं लगा सकती रेप का आरोप

नई दिल्ली,06 मार्च 2025(ए)। लंबे समय तक लिव इन में रहने के बाद महिला अपने साथी पर बलात्कार का आरोप नहीं लगा सकेगी। सुप्रीम कोर्ट ने एक दुष्कर्म केस की सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया है। खास बात है कि दोनों एक दशक से ज्यादा समय तक साथ रहे थे। अदालत ने इसे रिश्तों में खटास आने का मामला करार दिया है। साथ ही अपीलकर्ता पुरुष को आपराधिक कार्यवाही से राहत दी है।

67 वर्षीय बुजुर्ग ने 5 वीं मंजिल से कूद दी जान

सुसाइड नोट में लिखी, बेटा-बहू ने चप्पल से की पिटाई

फरीदाबाद,06 मार्च 2025(ए)। हरियाणा के फरीदाबाद में एक दिल दहला देने वाली घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया। सेक्टर-88 की एसआरएस हिल्स सोसाइटी में रहने वाले 67 वर्षीय कुबेर नाथ शर्मा ने पांचवीं मंजिल से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस जांच के अनुसार, उनके बेटे और बहू ने किसी बात पर उनसे मारपीट की थी।बताया जाता है कि दंपति ने चप्पल से उनकी पिटाई की, जिससे आहत होकर शर्मा ने यह आत्मघाती कदम उठाया। उनकी जेब से मिले सुसाइड नोट में लिखा था, मैं अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा हूं, किसी ने मुझे धक्का नहीं दिया। बेटा और बहू चप्पल से मारेंगे तो जीने से अच्छा मरना है।

बेटी के साथ खरीदारी करने आए युवक की हर्ट अटैक से मौत

उज्जैन,06 मार्च 2025(ए)। उज्जैन के नेहरू नगर में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां 32 वर्षीय

विजय ढोली की कार्डियक अरेस्ट से अचानक मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई, जब वह अपनी बेटी के साथ घर के पास एक डेयरी पर सामान खरीदने गया था। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

लंदन में विदेश मंत्री जयशंकर पर हमले की कोशिश

खालिस्तानी समर्थकों ने तिरंगा फाड़ दिया

लंदन,06 मार्च 2025(ए)। लंदन में खालिस्तानी समर्थकों ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर पर उस

वक्त हमले करने की कोशिश की जब वह एक प्रोग्राम में शिरकत होने के बाद कार से निकल रहे थे। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति दौड़कर उनकी कार के पास पहुंचा और भारतीय झंडे को फाड़ दिया, हालांकि वहां मौजूद सिक्योरिटी कर्मचारी उसको पकड़ लेते हैं।

तहव्वुर राणा को भारत आने का डर

» पाकिस्तानी मुस्लिम हूं, मुझे वहां...,

» भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए तहव्वुर राणा ने कोर्ट का खटखटाया दरवाजा...

नई दिल्ली,06 मार्च 2025(ए)। 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा ने भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए नई चाल चली है. उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. गुरुवार को उसने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर कर आपातकालीन रोक (इमरजेंसी स्टे) की मांग की. राणा ने भारत में यातना (टॉर्चर) मिलने का दावा करते हुए कहा कि अगर उसे प्रत्यर्पित किया गया, तो वह जिंदा नहीं रहेगा।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में राणा की तरफ से दायर की गई याचिका में राणा ने कहा है कि अगर मुझे भारत प्रत्यर्पित किया गया तो मुझे वहां प्रताड़ित किया जाएगा, इसलिए मैं ज्यादा सर्वाइव नहीं कर पाऊंगा. इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि पाकिस्तान मूल का मुस्लिम होने की वजह से उसे भारत में बहुत ज्यादा प्रताड़ित किया जाएगा।

अमेरिकी अदालतों में पहले ही हार चुका है राणा

इससे पहले, 21 जनवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने उसकी अपील खारिज कर दी थी. इससे पहले एक निचली अदालत भी राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे चुकी है. वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने भी उसके प्रत्यर्पण को हरी झंडी दे दी थी.

कौन है तहव्वुर राणा?

राणा कनाडा का नागरिक है, लेकिन उसकी जड़ें पाकिस्तान से जुड़ी हैं. भारत सरकार उसे 2008 के मुंबई हमले में शामिल होने के कारण प्रत्यर्पित करना चाहती है. इस हमले में 174 लोगों की मौत हुई थी. राणा पर आरोप है कि उसने डेविड हेडली (जिसका असली नाम दाऊद गिलानी था) की मदद की थी. हेडली अमेरिकी नागरिक था और उसके पिता पाकिस्तानी थे. अमेरिकी एजेंसियों ने उसे अक्टूबर 2009 में गिरफ्तार किया था.राणा हेडली के लश्कर-ए-तैयबा से संबंधों को जानता था और उसने उसे फर्जी दस्तावेज मुहैया कराए थे. इनकी मदद से हेडली भारत आया और मुंबई हमले के लिए संभावित ठिकानों की रेकी की. यह हमला पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने किया था।

क्या होगा आगे?

अगर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट राणा की अपील खारिज कर देता है, तो उसे जल्द ही भारत भेजा जा सकता है. भारत में उस पर आतंकवाद से जुड़े गंभीर मामले दर्ज हैं और उसे कड़ी सजा मिल सकती है.

सीएम फडणवीस के बयान पर मचा बवाल

» मुंबई में रहने वालों को... महाराष्ट्र में भाषाओं पर सियासत के बाद सीएम फडणवीस ने कह दी ये बात...

मुम्बई,06 मार्च 2025(ए)। भारत देश में कई भाषाएं बोली जाती हैं. बोलचाल की भाषा की वजह से ही लोगों की पहचान होती है। इसे लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता सुरेश जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि मराठी मुंबई की भाषा है और बाहर से आने वाले और अन्य भाषाएं बोलने वालों को भी इसे समझना चाहिए। उनके इस बयान के बाद जहां विपक्ष ने टिप्पणी की वहीं महाराष्ट्र के मुखिया देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि मराठी मुंबई और महाराष्ट्र की भाषा है और यहां रहने वाले किसी भी व्यक्ति को इसे सीखना और बोलना चाहिए. इसके अलावा उन्होंने क्या कुछ कहा जानते हैं।

उद्धव गुट ने मांगा स्पष्टीकरण

दरअसल, राज्य विधानसभा में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सदस्य भास्कर जाधव ने आरएसएस के वरिष्ठ नेता सुरेश भैयाजी जोशी की उस टिप्पणी पर राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगा था. जिसमें उन्होंने कहा था कि यह जरूरी नहीं कि मुंबई आने वाला व्यक्ति मराठी सीखे. इस पर फडणवीस ने कहा कि मराठी मुंबई और महाराष्ट्र की भाषा है तथा यहां रहने वाले किसी भी व्यक्ति को इसे सीखना और बोलना चाहिए।

क्या बोले सीएम

जोशी ने कहा था, ''मुंबई की एक भाषा नहीं है. इसमें कई भाषाएं हैं, कुछ क्षेत्रों की अपनी भाषा है. घाटकोपर की भाषा गुजराती है. गिरगांव में आपको हिंदी बोलने वाले कम और मराठी बोलने वाले ज्यादा मिलेंगे। इसलिए कह सकते हैं कि मुंबई आने वाला कोई भी व्यक्ति मराठी सीखे, यह जरूरी नहीं है. विधानसभा में जब जाधव ने सरकार से इस पर जवाब मांगा तो फडणवीस ने कहा, ''मैंने भैयाजी की बात नहीं सुनी, लेकिन मुंबई और महाराष्ट्र की भाषा मराठी है। उन्होंने कहा, ''हर किसी को मराठी सीखनी चाहिए और उसे बोलना चाहिए।

भाषाओं का करती है सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार अन्य भाषाओं का भी सम्मान करती है। फडणवीस ने कहा, ''अगर आप अपनी भाषा से प्यार करते हैं और उसका सम्मान करते हैं, तो आप दूसरी भाषाओं के साथ भी ऐसा ही करें. मुझे यकीन है कि भैयाजी मेरी बात से सहमत होंगे। इससे पहले दिन में शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने दावा किया कि जोशी की टिप्पणी राजद्रोह के बराबर है और महाराष्ट्र का अपमान है।

राजद्रोह के बराबर है बयान

राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया, ''मराठी हमारी राज्य भाषा है और इस तरह का बयान राजद्रोह के बराबर है. यह बयान राजद्रोह है. राज्यसभा सदस्य ने मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं अजित पवार को जोशी के बयान की निंदा करने और इस मामले पर राज्य विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने की चुनौती दी। इसे एक गंभीर मुद्दा बताते हुए राउत ने दावा किया कि जोशी मुंबई की नीतियों और लक्ष्यों पर फैसला करते हैं। राज्यसभा सदस्य ने दावा किया कि यह टिप्पणी समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आजमी द्वारा मुगल सम्राट औरंगजेब की प्रशंसा में की गई टिप्पणी से भी अधिक गंभीर है।

राउत ने उठाया सवाल

राउत ने पूछा, ''आरएसएस नेता मुंबई आए और उन्होंने कहा कि इसकी भाषा मराठी नहीं है। क्या राज्य के मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद को इसे बर्दाश्त करना चाहिए? उन्होंने फिर सवाल किया कि क्या वह कोलकाता, लखनऊ, चेन्नई, लुधियाना, पटना या बेंगलुरु, त्रिवेंद्रम या हैदराबाद में जाकर इस तरह बोल सकते हैं? राउत ने दावा किया, ''लेकिन वह महाराष्ट्र और इसकी राजधानी में आते हैं और कहते हैं कि इसकी भाषा मराठी नहीं है।

शिंदे गुट से भी पूछा सवाल

यह गुजराती या कोई अन्य है और किसी अन्य भाषा को जानने की कोई आवश्यकता नहीं है. इसके अलावा राउत ने कहा, ''क्या 106 शहीदों ने (1950 के दशक में संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में) यही सब सुनने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी?'' शिवसेना (उबाठा) नेता ने पूछा कि क्या यह मराठी भाषा और मराठी गौरव का अपमान नहीं है? राउत ने कहा कि जोशी को मुंबई आने के बाद मराठी भाषा का ''अपमान'' करने का कोई अधिकार नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया, ''कोई ऐसा कहने की हिम्मत कैसे कर सकता है. क्योंकि राज्य में असहाय लोगों और मराठी से नफरत करने वालों की सरकार है. राउत ने कहा, ''शिवसेना (उबाठा) इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

पीएम मोदी आज स्वास्थ्य विभाग में देंगे बड़ी सौगात

200 जन औषधि केंद्रों का करेंगे वर्चुअल शुभारंभ

डीडवाना-कुचामन,06 मार्च 2025 (ए)। जन औषधि के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए 1 मार्च से 7 मार्च तक पूरे सप्ताह तक पूरे देश में 'जन औषधि सप्ताह' के रूप में मनाया जा रहा है,जिसका थीम दाम कम-दवाई उत्तम रखी गई है। सप्ताह के अंतिम दिन यानी 7 मार्च को 'जन औषधि दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को एक और सौगात देंगे और देशभर में 200 प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों का वर्चुअली शुभारंभ करेंगे।

आईआईटी मद्रास का कमाल

» इमारतों को मिसाइल हमलों से बचाने के लिए तैयार किया जबरदस्त सिस्टम

नई दिल्ली,06 मार्च 2025 (ए)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा अभिनव फ्रेमवर्क विकसित किया है, जो देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को बैलिस्टिक मिसाइलों के हमलों से बचाने में सक्षम हो सकता है। इस नई तकनीक का उद्देश्य न केवल इमारतों और संरचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि सेना के लिए हल्के, किफायती और मजबूत बैलिस्टिक-प्रूफ सामग्री का विकास करना भी है, जिसका उपयोग सीमा पर बंकर निर्माण में किया जा सके।

मजबूत कंक्रीट संरचनाओं का डिजाइन

बैलिस्टिक मिसाइलों से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए यह फ्रेमवर्क डिजाइनरों को प्रबलित कंक्रीट (आरसी) पैनलों की मजबूती बढ़ाने के नए तरीके सुझाता है। शोध में कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन तकनीक का उपयोग कर मिसाइलों के प्रभाव का विश्लेषण किया गया। यह तकनीक सैन्य बंकरों, परमाणु संयंत्रों, पुलों और हवाई पट्टियों जैसी महत्वपूर्ण संरचनाओं के लिए कंक्रीट की बैलिस्टिक क्षमता को समझने में मदद करती है। आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर अलागप्पन पोन्नालगु ने कहा कि इन संरचनाओं का रणनीतिक महत्व होने के कारण इनकी सुरक्षा बेहद जरूरी है।

रोहतास के रेड लाइट एरिया में पुलिस की छापेमारी

छत्तीसगढ़ की 41 नाबालिग लड़कियों समेत 45 को किया गया रेस्क्यू,5 गिरफ्तार

पटना,06 मार्च 2025(ए)। बिहार के रोहतास जिले के नटवार बाजार स्थित एक रेड लाइट एरिया में गुरुवार को पुलिस ने छापेमारी कर 45 नाबालिगों को रेस्क्यू किया गया है। इनमें 41 लड़कियों और 4 लड़के शामिल हैं। छापेमारी के दौरान कई डांसर मौके से फरार हो गई, जिसकी तलाश की जा रही है।

देश के सभी बंदरगाहों के लिए सुरक्षा रोडमैप तैयार कर रहा सीआईएसएफ

नई दिल्ली,06 मार्च 2025(ए)। भारत के विशाल समुद्र तट की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने देश भर के सभी बंदरगाहों के लिए एक सुरक्षा रोड मैप तैयार किया है, बल ने अपने 56 वें स्थापना दिवस से एक दिन पहले यह खुलासा किया। देश भर में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के साथ काम करने वाले सीआईएसएफ ने एक बयान में कहा कि इसकी योजना सिर्फ कोई मानक प्रोटोकॉल नहीं है।

होली के दिन दिखेगा चंद्रग्रहण

» 14 मार्च को लगेगा साल का पहला चंद्रग्रहण

» इस दिन आसमान में दिखाई देगा लाल रंग का चांद...

» यह पूर्ण चंद्रग्रहण होगा,जो तीन साल बाद हो रहा

» दुनिया के कई हिस्सों में देगा दिखाई...

नई दिल्ली,06 मार्च 2025 (ए)। हर साल एक विशेष तिथि और माह को सूर्य और चंद्र ग्रहण लगते हैं। इस साल चैत्र अमावस्या पर साल का पहला सूर्य ग्रहण लग रहा है। एक महीने में दो ग्रहण लग रहे हैं। मार्च में जहां 14 तारीख को चंद्र ग्रहण तो वहीं 29 मार्च को सूर्य ग्रहण लगेगा। हर साल फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष में पूर्णिमा की तिथि पर शाम के वक्त होलिका दहन होता है, वहीं इसके अगले दिन रंगोत्सव मनाया जाता है। इस दिन आसमान में लाल रंग का चांद दिखाई देगा, जिसे ब्लड मून कहा जाता है। यह पूर्ण चंद्रग्रहण होगा, जो तीन साल बाद हो रहा है। कहा जा रहा है कि, इस बार यह चंद्रग्रहण दुनिया के कई हिस्सों में दिखाई देगा।

रील्स का भूत लोगों के सिर इस कदर चढ़कर बोल रहा...जिसके कारण हुआ ब्लास्ट

बिल्डिंग में अफरा-तफरी

ग्वालियर,06 मार्च 2025 (ए)। ग्वालियर में द लेगेसी प्लाजा बिल्डिंग के एक फ्लेट में हुए जोरदार धमाके के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आधी रात को हुए एक तेज धमाके से पूरी मल्टी दहल उठी थी। इस ब्लास्ट में एक महिला सहित दो लोग झुलस गए थे और मल्टी का कुछ हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। धमाके का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि यह धमाका एलपीजी गैस को कमरे में भरकर रील बनाने के दौरान हुआ। पुलिस ने बताया कि रंजना और अनिल जाट बिल्डिंग में स्थित अपने फ्लैट रु-1 में देर रात करीब दो बजे एलपीजी सिलेंडर से गैस को लीक कर रील बना रहे थे। इसी दौरान उन्होंने घर में रखा

आधा सिलेंडर खाली कर दिया। लेकिन जब रील में क्वालिटी नहीं आई तो अनिल ने रील को और बेहतर बनाने के लिए घर की लाइट जला दी। लाइट जलाते ही अचानक तेज ब्लास्ट हो गया और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

संपादकीय

बसपा के अंदर का घमासान सतह पर

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पार्टी सुप्रीमो मायावती के हालिया फैसले ने एक बार फिर उत्तर भारत की सबसे बड़े राजनीतिक पार्टी के साथ ही राष्ट्रीय राजनीति को सरगर्म कर दिया है।मायावती ने सभी को चौंकाते हुए भतीजे आकाश आनंद को एक बार फिर पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक (नेशनल कोआर्डिनेटर) समेत सभी पदों से हटाने का फैसला लिया है। साथ ही पार्टी प्रमुख ने अपने जीते-जी किसी को भी उत्तराधिकारी नहीं बनाने का सख्त निर्णय भी सुना दिया। स्वाभाविक है, मायावती के इस फैसले से न केवल उनकी पार्टी के लोगों को बल्कि राजनीतिक विश्लेषकों को भी अचरज में डाल दिया है।आकाश पार्टी का युवा चेहरा हैं। हालांकि जिम्मेदारी के पद पर रहते हुए पार्टी का प्रदर्शन निचले स्तर का रहा। 2019 के लोक सभा चुनाव के बाद आकाश आनंद को बीएसपी का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया गया था,लेकिन पार्टी का प्रदर्शन बेहद फीका रहा। यहां तक कि पिछले महीने संपन्न हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में आकाश आनंद पार्टी के प्रभारी थे, लेकिन सीट जीतना तो दूर की बात है, वोट शेयर में भी गिरावट आई थी।गौरतलब है कि मायावती ने आकाश को पहली बार राष्ट्रीय समन्वयक पद से नहीं हटाया है। पिछले साल लोक सभा चुनाव से पहले भी आकाश आनंद को राष्ट्रीय समन्वयक पद से हटा दिया था। हटाने का तर्क दिया गया था कि अभी उन्हें और परिपक्व होने की जरूरत है। मायावती के साथ एक नकारात्मक बात यह है कि वह कभी भी सड़क पर नहीं उतरती हैं। राजनीति की गहरी समझ रखने वाले और विपक्षी दलों के नेता भी यह मानते हैं कि अब खुल कर राजनीति करने के मायावती के दिन नहीं आने वाले।खासकर भाजपा के खिलाफ आक्रामक रुख रखने के स्वभाव को मायावती ने बहुत पहले साइडलाइन कर रखा है। वह भाजपा के दबाव में है। बहरहाल, मायावती के फैसले के बाद आकाश की प्रतिक्रिया में ही भविष्य के संकेत निहित हैं।आकाश का यह कहना कि परीक्षा कठिन है और लड़ाई लंबी है', इस बात को भलीभांति स्पष्ट करती दिखती है कि बसपा में अभी बहुत कुछ घटित होने वाला है। देखना है मायावती के हार्डकोर समर्थक पार्टी के लिए कितने फायदेमंद रहते हैं या पार्टी के अंदर का घमासान सतह पर आकर बसपा वोटर्स को असहज करते हैं।

हिंसा और आंतकवाद का घृणित स्वरूप

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

जहर बोती विचारधारा समाज को अस्वीकार

मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरिह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है,बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तार वादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है। इसराइल-हमास, रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभस्त उदाहरण है जो अपनी व्यवसायिक ,सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं। यह सब अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैं। भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तार वादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिए।

आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद,कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं।

आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूरतम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना है। भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमलावाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला,2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला,2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं जिससे मानवीय संवेदनाएं, शांति स्थापना की मूल धारणा की धज्जियां उड़ जाती है। भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का एक वृहद रूप ले चुका है। आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है की कोई भी देश यह नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगाद्य वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी है। आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही है। वहां तालिबानी आतंकवादियों द्वारा सरकार को गिरा कर अफगानिस्तान देश पर जाकर वहां शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस यूक्रेन युद्ध मैं भी लाखों लोगों की आक्रमण कर हिंसक हत्या तानाशाही तथा मानसिक आतंकवाद का ही एक भयानक रूप है। पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित अनेक कानून बनाए गए एवं उन पर अमल भी किया जा रहा है। पर आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए आतंकवादी विचारधारा को ही समूल रूप से नष्ट करना होगा, क्योंकि आतंकवाद कोई तात्कालिक कारणों से पैदा नहीं होता,यह एक घिनौनी, हिंसक आतंक पैदा करने वाली विचारधारा है। अशांति की इस विचारधारा में जन समुदाय में रोश तथा खौफ पैदा कर दिया है और यह मानवता के लिए अभिशाप की तरह व्याप्त हो गया है। जिससे विश्वव्यापी वैश्विक शांति की अवधारणा को नष्ट कर दिया है। वैसे तो पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ प्रयास किए जा रहे हैं पर हर देश के हर नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि इस विचारधारा और इनकी गतिविधियों पर नजर रख इसे समूल नष्ट करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

नियम हमर भलइ बर आय

त्रिभुवन लाल साहू
बोड़सरा जाँजगीर छत्तीसगढ़

खोलबहरा नियम ले चलइया मनखे रहिस, फेर अपन गलती ला कभू नइ मानत रहिस। पड़ोसी रामफल संग ओकर बनतेच नइ रहय, फेर जभे गम पाइस कि रामफल अस्पताल मं भर्ती हे, त मंटोरा कहिस, देखे चलिन आखिर म पड़ोसी आय। खोलबहरा फटफटी ल निकालिस। मंटोरा कहिस, हैलमैट पहिर लेव। वो हांसत कहिस, पुलिस के चैकिंग नइ चलत हे, सोझे के संसो मत कर। रद्दा म पुलिस के चैकिंग देख के, खोलबहरा रद्दा बलद दिस। सुनना रद्दा म लूटइया मन घेर लिहिन। फेर पुलिस वालेच पकड़ लेतिन त बढ़िया रहतिस, खोलबहरा बुदबुदाइस। अस्पताल म रामफल ले मिलिन। वो गंभीर आवाज मं कहिस, तम्बाकू ल छोड़ देहव , जान बचाय बर काकर बे छोड़े ल परिस। तंहू दारू ल छोड़ दे। लहुटत बेरा झड़ी चालू हो गे। रद्दा चिखला ले भर गे। अचानक एक झन बाइक वाला बड़ स्पीड मं आइस, टकराय ल तीर ले बाच गे, फेर खोलबहरा अपन फटफटी ल संभाल नइ सकिस, अउ गिर गे। मूड़ी जोर ले रद्दा मं ठिनकिस। मंटोरा किकिआइस, फेर हैलमैट पहिर लेहे रहथे, त लागे नइ रतिस।

खून ले भींजे मुड़ी म,खोलबहरा रद्दा मं पड़े रहिस, अउ पुलिस ओकर मदद बर दौड़त रहिस वोही पुलिस, जऊन ले बाचे बर वो रद्दा बलद दिस रहय। खोलबहरा अपन गलती ला कभू मानय नइ, फेर आज जिनगी खुदे ओला सबक सिखा दिस। जऊन पुलिस ले बचाय बर वो रद्दा बलद दिस,आखिरी मं ओही पुलिस ओकर जान बचाय बर आगे आइस। नियम मन सिरिफ कानून बर नइ, बलुक हमीमन के भलई बर बनाय गेहे। छोट छोट सतर्कता जिनगी ला बड़ खतरा ले बचा सकथे। ए घटना बताथे कि सुरक्षा मं कोनो समझौता नइ करना चाही, काबर कि गलती ल सुधार करे के मौका सब बेरा नइ मिलय।

सोशल मीडिया विनियमन से परे...
एक राष्ट्रीय नैतिक कोड के लिए कॉल

विजय गर्ग
चांद मलोट
पंजाब

हालांकि यह खुला रहता है कि क्या अल्लाहबादिया के बयान ने कानून के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन किया है, हालांकि, यह स्पष्ट है कि उनके बयान से अधिकांश आबादी की नैतिक भावनाओं को चोट लगी है। इसके बावजूद, उनके बयान की अवांछनीयता, लोगों को इस तरह से व्यवहार करने की अपेक्षा करना कितना उचित है, जो समाज के लिए नैतिक रूप से स्वीकार्य है जब राज्य द्वारा उनके लिए नैतिक रूप से सही व्यवहार का कोई विशेष पैटर्न निर्धारित नहीं किया जाता है। तात्पर्य यह है कि समाज सभी स्थितियों में नैतिक रूप से सटीक आचरण जानने के लिए सभी को उम्मीद करता है या मानता है। चूंकि नैतिकता एक अमूर्त अवधारणा है जो एक जगह से स्थान और व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होती है, यह आवश्यक है कि, कानून की तरह, नैतिकता को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। आमतौर पर, एक अधिनियम या कथन व्यक्तियों के निर्णय के व्यक्तिगत अर्थों पर एक धर्मी या गलत चरित्र प्राप्त करता है, इस प्रकार, लोगों को स्पष्ट रूप से पता होना चाहिए कि क्या स्वीकार्य नैतिक है और क्या अनैतिक है। ऐसी स्थिति में, यह विचार करने की आवश्यकता है कि क्या समाज को एक ऐसे कोड की आवश्यकता है जो अपने लोगों के लिए नैतिक रूप से ईमानदार आचरण का एक पैटर्न निर्धारित करता है। आदर्श रूप से, प्रत्येक समाज को अनैतिक आचरण या व्यवहार से मुक्त होने का लक्ष्य रखना चाहिए और इसके लिए, राज्य को एक पैटर्न या व्यवहार का मानक स्थापित करना चाहिए जो सभी नागरिकों से अपेक्षित है और सभी समान रूप से व्यक्तियों या संगठनों द्वारा पीछा किया जाता है। विडंबना यह है कि भारत में, राज्य ने ऐसे समाज को स्थापित करने का बहुत कम प्रयास किया है, जहां लोग व्यवहार के एक निश्चित सलाह पैटर्न का पालन करते हैं जो सभी के लिए स्वीकार्य है। यह धारणा कि कानून इस उद्देश्य को पूरा करेंगे, पूरी तरह से व्यावहारिक वास्तविकताओं के विपरीत है। इस देश में वे मौजूद कानून ज्यादातर अभियोजन पक्ष के होते हैं, जिसका अर्थ है कि वे काफी हद तक विशेष या विशिष्ट व्यवहार (ओं) को आचरण के वांछनीय पैटर्न (ओं) को विस्तार से रखने के बजाय प्रतिबंधित करते हैं। भारत में, कानून शायद ही निर्धारित हैं और वे जरूरी नहीं कि लोगों के लिए व्यवहार का एक विशेष पैटर्न निर्धारित करें। आम तौर पर, कानून संक्षिप्त या विस्तार से प्रदान नहीं करते हैं कि किस तरीके से, आचरण या व्यवहार के पैटर्न को लोगों का निरीक्षण या अभ्यास करना चाहिए। वे मुख्य रूप से विशेष आचरण (ओं) पर मुकदमा या प्रतिबंधित करते हैं और इस तरह के आचरण को दोषी या दंडनीय बनाते हैं और कुछ परिणामों के लिए उत्तरदायी हैं। ऐसी स्थिति को देखते हुए, क्या यह सभी लोगों से अपेक्षा करने के लिए दूर नहीं है, सभी पर, यह जानने के लिए, हर स्थिति में, मिनट के विवरण में, कानूनी और नैतिक रूप से अनुमेय आचरण और व्यवहार क्या है? भारत में नैतिक रूप से वांछनीय आचरण की एक संहिता तैयार करने के लिए समाज या राज्य की ओर से प्रयासों की कमी को इस विचार के लिए बताया जा सकता है कि यह काम शैक्षिक, धार्मिक या सांस्कृतिक संस्थानों के लिए बेहतर है। लेकिन अगर ऐसा है, तो क्या इस तरह के संस्थानों ने इस संबंध में अपनी जिम्मेदारी पूरी की है? भारत, एक बहु-धार्मिक और बहु-सांस्कृतिक देश होने के नाते, विभिन्न प्रकार के कारक इस उद्देश्य को बाधित करते हैं। विश्वासों और धर्मों की विविधता के परिणामस्वरूप एक सामान्य व्यवहार पैटर्न की कमी के साथ -साथ एक तंत्र की कमी भी होती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नैतिक निर्देशों को समान रूप से सीखा और अभ्यास किया जा रहा है। यहां तक कि शैक्षणिक संस्थानों को यहां फ्लॉन्डर लगता है, क्योंकि सभी शैक्षणिक संस्थान सभी स्तरों पर समान रूप से नैतिक या नैतिक मूल्यों को पढ़ाने पर जोर नहीं देते हैं। वे वैज्ञानिक और तकनीकी शिक्षा पर बहुत जोर देते हैं, लेकिन नैतिक शिक्षा प्रदान करने पर उसी तरह से नहीं, जो अधिक या समान रूप से आवश्यक है। समाज में अधिकांश समस्याएं हैंलोगों में मजबूत मूल्यों, नैतिकता और चरित्र की अखंडता की कमी के कारण, इसलिए, एक सभ्य राज्य को अपनी आबादी में एक मजबूत मूल्य प्रणाली विकसित करने पर ईमानदारी से काम करना चाहिए। यद्यपि भारतीय संविधान उन नागरिकों के लिए मौलिक कर्तव्यों को निर्धारित करता है जो गैर-लागू करने योग्य हैं, वे केवल, खाली नारे लगाते हैं। सोशल मीडिया पर अवांछनीय सामग्री के बड़े पैमाने पर हमले और कमजोर युवाओं के बीच, और प्रभाव, कमजोर युवाओं को देखते हुए, यह राज्य पर अत्यधिक अवलंबी है, साथ ही साथ, सोशल मीडिया को विनियमित करने के साथ -साथ मजबूत नैतिकता और चरित्र वाले लोगों के राष्ट्र के निर्माण के लिए एक नैतिक/नैतिक आचार संहिता का मसौदा तैयार करता है।

कविता
देश के चतुर्थ स्तंभ

घटती-घटना

चंद्रकांत खूंटे
जांजगीर चांपा
छत्तीसगढ़

देश के चतुर्थ स्तंभ कर्णधार,
जिसको कहते रिपोर्टर,पत्रकार
सच्चाई की बहती बयार।
निर्भीक होकर करते वार,
खामियों पर गिराते वज्र प्रहार।।
प्रभात से लेकर रातों तक,
गहरी संवेदना जज्बातों तक।
मुकुर सरिस जो सत्य दिखादे,
शांति से लेकर उत्पातों तक।।
भारतीय संविधान में इन्हे,
चतुर्थ स्तंभ का दर्जा प्राप्त है।
प्रजातंत्र की माँगो को उठाये,
ऐसे विधि मिला अनुप पर्याप्त है।।
किंतु तुच्छ को महान,
बेफिजूल को सनसनी बनाने में दक्ष है।
बेबाकी से नही करते,
धनवानों का हरदम लेता पक्ष है
नही भूलना चाहिए सच्चाई
थामकर अंधेरे के साथ को ।
छुपाने से भी नही छुपता है..रोशन
तहजीब दो चलने वाले फुटपाथ को।।

कविता
उपकारी वृक्ष

घटती-घटना

अशोक पटेल
तुस्मा शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

यह वृक्ष तरु वन उपवन और यह हरियाली धरती का है श्रृंगार और इसी से खुशहाली।
वृक्ष हमारे शुभचिंतक हैं वृक्ष हमारे हितैषी
यही हमारे प्राण अधारे,इससे निर्दयता कैसी?
वृक्ष हमे देता है सब कुछ,देता शीतल छाया
फल-फूल बूटियां देकर उपकारी कहलाया।
वृक्षों हमे हवा है देता, जीवन सुखद बनाया
दूर पथिक निकट में आकर विश्रांति है पाया।
लगती है बड़ी प्यारी तेरी शीतल घनेरी छाया
धन्य-धरा सब जीव जगत सभी को है भाया
तुझसे ही यह धरा श्रृंगारित तूने धरा सजाया
धन्य-धन्य तुम्हे है तरुवर उपकारी कहलाया।

घुमन्तु गीत सीरीज

शून्यता

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
काशी,उत्तर प्रदेश

आज मैं ऑफिस से जल्दी निकल आयी, मन में एक शून्यता थी, एक अजीब सी शून्यता! उसी शून्यता को मन में लिए हुए मैं किसी अवचेतना में गाड़ी चलाती चली जा रही थी। इसी अवचेतना में मैं गंगा घाट पर जा पहुंची, मन में शून्यता जस की तस व्याप्त थी, और मैं उसी शून्यता के साथ माँ गंगा की ओर अपलक निहारे जा रही थी, मन विचारविहीन था और मैं मौन। तभी अचानक एक आवाज़ आयी,आंटी झुमके ले लो न!

मैंने देखा वहां एक छोटी सी बच्ची एक स्टैंड पर बहुत से झुमके टाँगे खड़ी हुई है।

मैंने कहा, अरे जितनी बड़ी तुम नहीं हो उतना बड़ा तो स्टैंड उठा रखा है।

एक झुमका ले लो न आंटी उसने फिर से कहा। हालांकि मैं ये सब पहनती नहीं, फिर भी यूँ ही मैंने कहा , अच्छा ठीक है, अपनी पसंद से एक जोड़ा दे दो। मैंने सोचा किसी को दे दूँगी। उसने एक सुन्दर सा नगजड़ा मोर पंख के डिज़ाइन का झुमके का जोड़ा मुझे दिया,ये मेरी मम्मी को बहुत पसंद था, आप ले लो

पसंद था? हाँ, अब वो मर गयी, उसको कैंसर हो गया था, यहीं मणिकर्णिका पर उसको जला दिया, मैंने देखा था छुप कर! अब मैं इधर ही झुमके बेचती हूँ, मम्मी इधर ही कहीं होगी न, तो मुझे यहाँ घूमना अच्छा लगता है आंटी।

तुम्हारा नाम क्या है बच्चा? तुम स्कूल नहीं जाती?

नहीं, कौन भेजेगा इस अभागी गौरी को स्कूल, पप्पा तो कब के ऑफ हो गए थे, मम्मी ही तो सब करती थी न, अब मैं खुद ही अपना पेट पालती हूँ आंटी।

मैं एकदम निःशब्द उसे सुनती जा रही थी, फिर मैंने उससे पूछा, अच्छा गौरी, सुनो, मेरी एक मित्र हैं, वो तुम्हारे जैसी बच्चियों को पढ़ाती हैं, क्या तुम पढ़ना चाहती हो?

उसने शब्दों में कुछ नहीं कहा, पर उसकी आँखों की चमक और बड़ी सी मुस्कान स्वयं में उत्तर थे। अब वो मेरी मित्र की संस्था के सौजन्य से स्कूल जाने लगी है, खुश है, और मैं उसे अपनी स्कूटी पर बिठाकर अक्सर उसी घाट पर ले जाती हूँ, हम दोनों वहां बहुत देर तक बैठते हैं, बहुत सारी बातें होती हैं, बहुत देर हम दोनों चुपचाप बैठे हुए अपनी-अपनी माँ को माँ गंगा में देखते हैं, फिर मैं उसे उसके हॉस्टल छोड़कर वापस आ जाती हूँ। जो शून्यता लिए हुए मैं उस रोज़ घाट गयी थी, वह अभी भी मुझमें कहीं सुप्त पड़ी हुई है, बीच बीच में जागृत होती है, अमूमन मैं उसपर काबू पा लेती हूँ। लगता है, ऐसे ही कुछ और गौरियों को तलाश रही हूँ, शायद बहुत सी बच्चियों की पढ़ाई पूरी करने का माध्यम बन जाऊँ तो शून्यता परिपूर्णता बन जाए, शायद...

एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया

मुजफ्फरपुर बिहार की साहित्यिक पब्लिकेशन एम एस केशरी पब्लिकेशन जिसकी संस्थापिका मुस्कान केशरी जी हैं। पब्लिकेशन द्वारा एकल पुस्तकें और साझा संकलन पुस्तकें प्रकाशित की जाती हैं और हर माह दो दिवसीय काव्यगोष्ठी,जुगलबंदी,साक्षात्कार और कविता व विडियो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें देशभर के साहित्यकार सम्मिलित होते हैं और कार्यक्रम कों सफल बनाते हैं। हर माह के तरह मार्च माह में भी काव्यगोष्ठी का आयोजन किया जा गया जिसमें देशभर के साहित्यकार सम्मिलित हुए। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि आदरणीया वीना अडवाणी तन्वी व प्रीति केसरवानी

जी रही, मंच संचालन मुस्कान केशरी व सरस्वती वंदना आनन्द कुमार मित्तल जी द्वारा किया गया। इस काव्यगोष्ठी के आमंत्रित स्वर रमेश साहू, आनन्द कुमार मित्तल, रियाज खान गौहर, चंद्रमोहन नीले, रिषभ सागर, डॉ शारदा प्रसाद दुबे, डॉ योगिता सिंह हंसा, डॉ पंकज कुमार बर्मन, बलराम यादव देवरा, ज्योति राज मधुरिमा, भारत भूषण वर्मा असंध, ममता मदान जी है। इस बार की काव्यगोष्ठी होली व शिवरात्रि पर समर्पित रही। इस बार की काव्यगोष्ठी में निशुल्क साझा संकलन पुस्तक आर्मी का विमोचन किया गया। एम एस केशरी पब्लिकेशन की संस्थापिका मुस्कान केशरी जी सभी साहित्यकार का तहे दिल से धन्यवाद करती हैं।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

कंप्यूटर ऑपरेटर की बिगड़ी तबियत,पिता ने डॉक्टरों पर लगाया प्रताड़ित करने का आरोप

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ कंप्यूटर ऑपरेटर की तबियत बिगडऩे पर उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं इसके पिता का आरोप है कि डॉक्टरों द्वारा प्रताड़त किए जाने से उसकी तबियत बिगड़ी है। जानकारी के अनुसार राकेश कश्यप शहरी स्वास्थ्य केन्द्र भगवानपुर में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर पदस्थ है। वहीं डॉक्टर मनीष तिवारी के इंसेंटिव के मामले की जांच पिछले 4 सालों से चल रही है। इसी मामले को लेकर एक बार फिर पूछताछ के लिए कंप्यूटर ऑपरेटर राकेश कश्यप को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में बुलाया गया था। जहां दो-तीन दिनों से लगातार बुलाकर उसे डांट फटकार लगाते हुए मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया जिससे उसकी हालत खराब हो गई गंभीर हालत में अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। राकेश कश्यप के पिता कैलाश कश्यप का कहना है कि मेरा बेटे सीएमएचओ कार्यालय में बुलाकर डॉ संदीप त्रिपाठी,डॉक्टर वाईके किंडो, डॉ मनीष तिवारी व अन्य द्वारा पूछताछ के दौरान प्रताड़ित किए जाने से उसकी तबियत बिगड़ी है। उसे पूर्व से ऐसी कोई बीमारी नहीं थी।

प्रताडऩा का कोई मामला नहीं है। कंप्यूटर ऑपरेटर से स्मार्ट कार्ड से डॉक्टरों द्वारा इलाज किए जाने की जानकारी को लेकर चर्चा की गई है। वह अक्सर ड्यूटी से गायब भी रहता था। विभाग द्वारा शोकॉज नोटिस भी जारी किया गया है।

डॉ. प्रेम सिंह मार्को,
सीएमएचओ

महापौर ने अभियंताओं से ली सडक़ों की स्थिति की जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

नगर निगम के महापौर मंजूषा भगत व सभापति हरमिन्दर सिंह टिन्नी ने गुरुवार को अपने कक्ष में अभियंताओं की बैठक ली। इस दौरान नगरीय सीमा में स्थित सड़ाकें के सुधार, उन्नयन कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग, नेशनल हाइवे एवं नगर निगम के अभियंताओं से चर्चा की।

चर्चा के दौरान लोक निर्माण विभाग के आधिपत्य की सडक़ें जैसे- मां महामाया मंदिर से खरसिया रोड, चांदनी चौक से घुटरापारा की ओर पुलिया तक का आवश्यक मरम्मत एवं संधारण कार्य माह अप्रैल 2025 तक पूर्ण कराने हेतु कार्यपालन अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग द्वारा आश्वस्त किया गया। इसके अतिरिक्त रिंग रोड में स्थित डिवाईडर, फुटपाथ की आवश्यक रंग-रोगन एवं मरम्मत कार्य इसी माह पूर्ण किये जाने हेतु आश्वस्त किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग के अभियन्ताओं द्वारा नगरीय क्षेत्रों के उनके आधिपत्य की मुख्य मार्गों के मरम्मत प्रस्ताव एवं आबंटन प्राप्ति के प्रयासों की जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा शीघ्र उपरोक्त प्रस्ताव को आबंटन हेतु प्रयास किये जाने हेतु आश्वासन दिया गया।

शराब के नशे में धुत बेटी ने माता-पिता पर ईंट से किया हमला

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

शराब के नशे में धुत बेटी ने अपने माता-पिता को इंट से हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दी है। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉनेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार टूलु हरिजन उम्र 60 वर्ष ग्राम मेंड्राकला थाना मणिपुर का रहने वाला है। इसकी बेटी टेम्की पति मधुसूदन है। गुरुवार की शाम करीब 4 बजे पिता व पुत्री के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। शराब के नशे में धुत बेटी ने ईंट उठाकर अपने पिता के चेहरे और सर में ताबड़तोड़ प्रहार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस दौरान बीच बचाव करने पहुंची मां रामबाइ उम्र 55 वर्ष को भी ईंट से हमला कर सिर फोड़ दी। स्थानीय लोगों ने डायल 112 को फोन कर बुलाया और गंभीर रूप से जख्मी दंपति को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

होटल के अंदर घुसकर लाठी डंडों से लैस युवकों ने मचाया उत्पात,रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

शहर के एमजी रोड स्थित एक होटल में घुसकर लाठी डंडों से लैस युवकों ने स्टॉफ के साथ गालीगलौज की है। करते हुए जान से मारने की धमकी देने के मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। ब्रम्हपारा निवासी शिशिर शुक्ला ने गांधीनगर थाना पुलिस को आवेदन देकर अवगत कराया है कि वह एमजी रोड में स्थित शैलगिरी होटल में वीनस रेस्टोरेंट का संचालन करता है। सूरजपुर जिला के प्रतापपुर थाना अंतर्गत ग्राम धरमपुर निवासी आकाश सिंह पिता समर बहादुर सिंह 35 वर्ष, वर्तमान ठिकाना रॉयल पार्क कॉलोनी एमजी रोड, उसके मित्र प्रकाश शर्मा के माध्यम से शेयर ट्रेडिंग के नाम पर लगभग 50 लाख रुपये लिया था। शेयर ट्रेडिंग के माध्यम से मूलधन एवं लाभांश देने की बात कही गई थी। डेढ़ साल होने के बाद भी जब रुपये नहीं मिला तो वह आकाश सिंह से रुपये मांगा,जिस पर वह नाराज हो गया। 24 फरवरी को रात 10.30 बजे वह होटल में अचानक लाठी-डण्डे के साथ लैस होकर अपने चार अन्य साथियों के साथ जबरन होटल में घुस गया और उसका नाम लेकर गाली-गलौज कर रहा था। होटल के स्टॉफ ने जब बताया कि संचालक शिशिर अभी होटल में नहीं हैं तो इनके द्वारा होटल के स्टॉफ के साथ गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई,कुछ देर बाद वे होटल से चले गए। थोड़ी देर बाद आकाश फोन करके उसके साथ गाली-गलौज करते हुए पैसा देने से साफ इंकार कर दिया और कहीं भी मिलने पर जान से मारकर फेंक देने की धमकी दी गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध अपराध दर्ज कर लिया है और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

ट्रक मालिक से गेयर बॉक्स के नाम पर 34 हजार 500 की ठगी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

हाइवा वाहन का गेयर बाक्स भेजने के नाम पर 34 हजार 500 रुपये की ठगी के मामले में वाहन मालिक की रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज करके विवेचना में लिया है।

जय स्तम्भ चैक निवासी सुशील कुमार बंसल ने पुलिस को बताया है कि उनके हाइवा गाड़ी का गेयर बाक्स खराब हो गया था। नया गेयर बाक्स मंगवाने के लिए उन्होंने उमेश कुमार यादव निवासी पानागढ़ दुर्गापुर रेलवे स्टेशन के पास, पश्चिम बंगाल से मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। बातचीत के दौरान वह बताया कि उसके पास गेयर बाक्स उपलब्ध है और वह सामान का फोटो भी भेजा था। गेयर बाक्स का 34 हजार 500 रुपये में सौदा होने के बाद उमेश कुमार यादव के द्वारा एडवांस भुगतान करने के लिए कहते हुए फोन पे का क्यूआर कोड भेजा गया, जो अंजना यादव के नाम से था। इसमें उन्होंने 10.01.25 को तीन बार में 18,500 रुपये, 14,500 रुपये एवं 1,500 रुपये भेज दिया। उमेश के द्वारा रुपये मिलने के बाद सामान ट्रांसपोर्ट के माध्यम से भेज देने की जानकारी दी गई। लगभग एक माह बाद भी सामान प्राप्त नहीं होने पर उन्होंने पुनः उमेश कुमार यादव से मोबाइल पर संपर्क किया तो वह गोल-मोल बातें करके लगातार गुमराह करते रहा। लगभग 2 माह बीतने के बाद भी सामान प्राप्त नहीं हुआ तो उन्हें ठगी का एहसास हुआ। ट्रांसपोर्ट से जानकारी लेने पर पता चला कि बताया जा रहा सामान ट्रांसपोर्ट में आया ही नहीं है। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज करके अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

दो बाइकों की भिड़ंत में एक युवक की मौके पर मौत

अंबिकापुर,06 मार्च 2025 (घटती-घटना)। सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बमलाया स्थित मुख्य मार्ग पर आने सामने दो बाइकों में भीड़ंत हो गई। दुर्घटना में एक युवक की मौत मौके पर ही हो गई। मृतक के भाई ने सीतापुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार राकेश कोरवा सीतापुर थाना क्षेत्र के देवगढ़ का रहने वाला था। वह गुरुवार को बाइक से अंजोर कोरवा के साथ शादी में शामिल होने पुटुकेला जा रहा था। बाइक अंजोर कोरवा चला रहा था। दोपहर करीब 2.30 बजे बमलाया स्थित फैजी के घर के पास पहुंचे ही थे कि सामने से काराबेल की तरह से आ रहे बाइक क्रमांक सीजी 13 एजी 4573 से टक्कर हो गई। दुर्घटना में गंभीर चोट लगने से राकेश की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अंजोर व दूसरे बाइक सवार ध्यान साय घायल हो गया है। घटना के बाद राकेश के भाई मुकेश कोरवा ने घटना की रिपोर्ट सीतापुर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पिकअप में तोडफ़ोड़,रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम तराजू में ट्रैक्टर को पिकअप से सटाते हुए पार करने से बाद बनी विवाद की स्थिति के बीच पिकअप में तोडफ़ोड़ करने का मामला प्रकाश में आया है, रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। कामेश्वरी राजवाडे पिता अहिबरन राम राजवाडे 24 वर्ष निवासी तराजू ने पुलिस को बताया है कि 03 मार्च को सुबह करीब 4-5 बजे वह लटोरी निवासी छत्रपाल राजवाड़े के घर से अपने गृहग्राम तराजू जाने के लिए स्वयं के पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 सीटी 3431 से कलेश्वर प्रसाद राजवाड़े एवं राकेश कुमार के साथ जा रही थी। लटोरी रोड में इमली पेड़ से कुछ दूरी पर शिवबरन का भाई सुभाष अपने ट्रेक्टर को चालू करके उनकी तरफ आया और पिकअप वाहन से सटाते हुए पार कर दिया। जब उन्होंने गाड़ी को सटाकर निकालने की बात पर आपत्ति की तो सुभाष राजवाड़े उनसे गाली-गलौज करने लगा। इसी बीच सुभाष का भाई शिवबरन राम राजवाड़े अपने घर से डण्डा लेकर आया और जान से मारने की धमकी देते हुए गालीगलौज करने लगा और पिकअप के सामने का कांच फोड़ दिया। इसके द्वारा ज्यादा बोलने पर जान से मारकर खत्म कर देने की धमकी दी गई, इससे भयभीत होकर वे किसी तरह वहां से जान बचाकर वापस घर आ गए। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर लिया है और मामले में अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

तीन साल की भतीजी की चढ़ाई बलि

अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र के चलते चाचा ने किया काण्ड

- संवाददाता -
जशपुर,06 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

जशपुर जिले के बागबहार थाना क्षेत्र के छातासराई पंचायत में अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र के चलते एक सगे चाचा ने 3 साल की मासूम भतीजी की सर धर से अलग कर बलि चढ़ा दी। शव को चूल्हा में झोंक दिया। मामले के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई है । पुलिस ने आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया है । वहीं शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

दरअसल,छातासराई निवासी आरोपी रामप्रसाद नाग (35 वर्ष) ने अपने छोटे भाई राजाराम नाग की खुशी नामक तीन साल की बेटी का सिर धड़ से अलग कर उसकी बलि दे दी। बताया जा रहा है कि आरोपी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और अपने भाई से विवाद भी था, लेकिन परिवार व गांव के कुछ लोग इसे तंत्र-मंत्र से जोड़कर देख रहे हैं।

गांव में चर्चा है कि आरोपी के संपर्क में कोई जादू टोना वाला आया होगा, जिसने उसे नरबलि देने के लिए उकसाया होगा। इसी के चलते उसने अपने ही भाई की मासूम बेटी को मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना पर बागबहार पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आरोपी के भाई और परिवार में पहले से विवाद चल रहा था, इसलिए पुलिस इसे आपसी रंजिश से भी जोड़कर देख रही है। इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में आक्रोश और भय का माहौल है। मासूम की मां रीता नाग अपनी इकलौती बेटी को इस तरह खोने के बाद बदहवास है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने हत्या के बाद बच्ची के कटे सिर को घर में बने पूजा चूल्हे पर रखकर तंत्र-मंत्र करना शुरू कर दिया था।

चौंकाने वाली बात यह है कि घटना के दिन आरोपी अपने बच्चों को भी खोज रहा था। आशंका जताई जा रही है कि वह अपने ही बच्चों की भी बलि देने की योजना बना रहा था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की तहकीकात शुरू कर दी है। लोगों का कहना है कि यह घटना अंधविश्वास, तंत्र-मंत्र और आपसी विवाद का नतीजा हो सकती है। इस भयावह घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

एसबीआई ने मृतक सिपाही की पत्नी को सौंपा 6 लाख 50 हज़ार का चेक

- संवाददाता -
बलरामपुर,06 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

जिले के राजपुर एसबीआई में पुलिस आरक्षक ने एसबीआई लाइफ पॉलिसी लिया था। एसबीआई ने मृतक की पत्नी को 6 लाख 50 हज़ार रुपए का चेक सौंपा।

एसबीआई ने बताया कि ग्राम झींगों निवासी अनिल शिलानन्द मिंज ने एसबीआई से 2 दिसंबर 2022 को 5 लाख 14 हज़ार रुपए का व्यक्तिगत लोन लिया था। स्वास्थ्य खराब होने के कारण 9 मई 2024 को आरक्षक का निधन हो गया था। एसबीआई ने पर्सनल लोन को एसबीआई लाइफ स्मार्ट स्वधन प्रोटेक्शन पॉलिसी के साथ कवर किया था। एसबीआई ने नॉमिनी मृतक की पत्नी ज्योति लूसी मिंज को डेथ क्लेम सेटलमेंट 6 लाख 50 हज़ार रुपए चेक सौंपा। चेक सौंपने के दौरान शाखा प्रबंधक रोमारियो बोइपाई, लाभार्थी ज्योति लुसी मिंज, श्रीश कुमार मिंज, फील्ड ऑफिसर, एसबीआई लाइफ से सुमित यादव आदि मौजूद थे।

स्वच्छता दीदियों के साथ सेवा किटी ने मनाया महिला दिवस

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

सेवा किटी समूह ने स्वच्छता दीदियों के साथ पूर्व वर्ष की तरह इस वर्ष भी महिला दिवस मनाया गया। पुराना बस स्टैंड स्थित एसएलआरएम सेंटर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के सदस्यों द्वारा स्वच्छता दीदियों के बीच आवश्यक सामग्री व मिष्ठान का वितरण किया गया। इस दौरान समूह के वन्दना दत्ता,सन्तोष पांडेय,नीलिमा गोयल,रेखा इंगोले,मधु चौदह, मीना वर्मा,सरिता भाटिया,रश्मि गुप्ता,ज्योति द्विवेदी,बानी मुखर्जी,मिलन शर्मा,मंशा शुक्ला,नीलिमा मिश्रा,सत्या दुबे,स्मिता तिवारी,अलका इंगोले, सुनीता दास शामिल रहे।

ब्रिटेन ने जयशंकर की सुरक्षा चूक की कड़ी निंदा की, कहा- यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है

लंदन,06 मार्च 2025। ब्रिटेन ने गुरुवार को उन घटनाओं की कड़ी निंदा की, जब एक खालिस्तानी समर्थक ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के काफिले की सुरक्षा में सेंध लगाई। ब्रिटेन ने इसे पूर्ण रूप से अस्वीकार्य बताया और कहा कि इस तरह के प्रयासों को धमकाने, डराने या सार्वजनिक कार्यक्रमों को बाधित करने का कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

चाथम हाउस से बाहर हुई घटना

यह घटना तब हुई जब विदेश मंत्रालय (एमईए) ने ब्रिटेन से अपनी राजनयिक जिम्मेदारियों को पूरा करने का आह्वान किया, क्योंकि एक प्रदर्शनकारी ने बुधवार शाम को लंदन में चाथम हाउस से बाहर जयशंकर के काफिले को घेरने की कोशिश की। यह प्रदर्शनकारी कुछ अन्य लोगों के साथ खालिस्तान समर्थक नारे लगा रहा था और अलगाववादी झंडे लहरा रहा था। हालांकि, मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उस व्यक्ति को रोक लिया, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है।

यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है:ब्रिटेन

ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के एक प्रवक्ता ने कहा,हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं जो चाथम हाउस के बाहर विदेश मंत्री के ब्रिटेन दौरे के दौरान हुई। उन्होंने कहा,ब्रिटेन शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार बनाए रखता है, लेकिन किसी भी तरह से धमकाने, डराने या सार्वजनिक कार्यक्रमों को बाधित करने की कोशिश पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

ब्रिटेन अपनी राजनयिक जिम्मेदारियों को निभाए

इस घटना के बाद, विदेश मंत्रालय ने भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि एक छोटे समूह के अलगाववादियों और उग्रवादियों की इन गतिविधियों को वे नकारते हैं और ब्रिटेन से अपेक्षाएं जताई हैं कि वे अपनी राजनयिक जिम्मेदारियों को पूरी तरह से निभाएंगे।

समाजिक संगठन ने घटना की निंदा की

समाजिक संगठन इनसाइट यूके ने इस घटना की निंदा करते हुए सोशल मीडिया पर इसका वीडियो शेयर किया और इसे शर्मनाक बताया, क्योंकि यह हमला उस समय हुआ जब भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी से द्विपक्षीय रिश्तों पर सफल वार्ता की थी।

रूस ने जेलेंस्की के गृहनगर में दागी बैलिस्टिक मिसाइल, चार लोगों की मौत

कीव,06 मार्च 2025। रूस ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के गृहनगर में बुधवार रात को एक होटल को निशाना बनाते हुए। मिसाइल से हमला किया, इस हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गयी है।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म करने को लेकर हो रहे प्रयासों के बीच यह यह हमला हुआ है।

इस हमले को लेकर राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि मध्य यूक्रेन के क्रीवी रीह में स्थित होटल पर हुए हमले से ठीक पहले यूक्रेनी,अमेरिकी और ब्रिटिश नागरिकों सहित एक मानवीय संगठन के स्वयंसेवक अंदर घुसे थे। उन्होंने हालांकि नहीं बताया कि ये लोग उन 31 घायलों में शामिल थे या नहीं।

यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि रूस ने यूक्रेन पर रातभर में 112 शाहिद और दो बैलिस्टिक इस्केंडर मिसाइलें दागीं। जिसके इलाके में भारी नुकसान हुआ है। अभी तक इन हमलों को लेकर रूस की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

यूक्रेन को सैन्य खुफिया सूचना प्रदान कर रहा फ्रांस, अमेरिका ने जानकारी साझा करने पर लगाई रोक

पेरिस,06 मार्च 2025। फ्रांसीसी रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने गुरुवार को कहा कि फ्रांस यूक्रेन को सैन्य खुफिया जानकारी प्रदान कर रहा है। लेकोर्नू का यह बयान तब आया है, जब अमेरिका ने कीव के साथ जानकारी साझा करने पर रोक लगा दी है।

अमेरिका ने खुफिया जानकारी साझा करने पर लगाई रोक

अमेरिका ने बुधवार को कहा कि उसने यूक्रेन के साथ अपनी खुफिया जानकारी साझा करने पर रोक लगा दी है। इससे महत्वपूर्ण जानकारी का प्रवाह बंद हो गया है। अमेरिकी खुफिया जानकारी यूक्रेन को रूसी सुरक्षा बलों को निशाना बनाने में मदद कर रही थी। लेकिन ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि वॉशिंगटन और कीव के बीच सकारात्मक बातचीत का मतलब यह हो सकता है कि यह रोक थोड़े समय के लिए है।

रूसी सैनिकों की गतिविधियों की निगरानी करने और उन्हें निशाना बनाने के लिए अमेरिकी खुफिया जानकारी यूक्रेन के लिए महत्वपूर्ण है। लेकोर्नू ने आज फ्रांस इंटर रेडियो से बातचीत में कहा कि उनका देश अपनी खुफिया जानकारी यूक्रेन के साथ साझा कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारी खुफिया जानकारी पूरी तरह से स्वतंत्र है। हमारे पास ऐसी जानकारी है, जिसे हम यूक्रेन के लाभ के लिए प्रदान करते हैं।

लेकोर्नू ने यह भी बताया कि अमेरिका के फैसले के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने उन्हें विभिन्न प्रकार सहायता को तेजी से भेजने को कहा, ताकि अमेरिकी मदद की कमी को पूरा किया जा सके। लेकोर्नू ने यह भी कहा कि अमेरिका के फैसले के बाद पोलैंड से यूक्रेन को भेजी जाने वाली सहायता रोक दी गई है। हालांकि, यूक्रेन के लोगों को तीन साल के युद्ध का अनुभव है और वह मदद का भंडारण कैसे करना है, इस चीज को जानते हैं।

ट्रंप की धमकी का हमास पर नहीं कोई असर

कहा...पहले युद्धविराम करो...24 इजरायली अभी भी बंधक

- इजरायल-हमास संघर्षविराम अधर में लटका
- कतर में अमेरिकी अधिकारी कर रहे बात
- व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने दी थी जानकारी

वाशिंगटन, 06 मार्च 2025। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में शेष बंधकों की रिहाई को लेकर हमास को अंतिम चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि सभी बंधकों को अभी रिहा करो और जिन लोगों की तुमने हत्या की है, उनके शवों को तुरंत सौंप दो, नहीं तो अपना खेल खत्म समझो।

इधर,गाजा पर शासन करने वाले हमास ने ट्रंप की चेतावनी को खारिज कर दिया है। उसने कहा कि गाजा पट्टी में स्थायी युद्धविराम पर ही शेष इजरायली बंधकों को रिहा किया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले सात जनवरी और फिर दस फरवरी को हमास को चेतावनी दी थी। तब कहा था कि अगर 15 फरवरी तक

शेष बंधकों की रिहाई नहीं हुई तो तबाही आ जाएगी।

ट्रंप ने दी थी हमास को चेतावनी

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आठ पूर्व बंधकों से मुलाकात के बाद बुधवार को अपने इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक बयान में कहा कि वह इजरायल को सब कुछ भेज रहे हैं, जो उसे चाहिए। उन्होंने कहा, सभी बंधकों को अभी रिहा करो,बाद में नहीं और जिन लोगों की तुमने हत्या की है, उनके शवों को तुरंत सौंपों नहीं तो अपना खेल खत्म समझो। केवल बीमार और विकृत लोग ही शव रखते हैं और तुम बीमार और विकृत हो।

इससे पहले व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिकी अधिकारी हमास के साथ निरंतर वार्ता और विचार-विमर्श कर रहे हैं। अमेरिका का यह कदम इस आतंकी संगठन के साथ सीधी बातचीत नहीं करने की उसकी दीर्घकालिक नीति से अलग है।

कतर में हो रही बातचीत

कतर की राजधानी दोहा में वार्ता की पुष्टि ऐसे समय में हुई है, जब इजरायल-हमास संघर्षविराम अब भी अधर में लटका है। अमेरिकी विदेश विभाग ने 1997 में हमास को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया था और उसके बाद से यह अमेरिका और हमास के बीच प्रत्यक्ष तौर पर पहली वार्ता है।

हालांकि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने वार्ता के बारे में विस्तृत जानकारी देने से इन्कार किया, लेकिन कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दूतों को किसी से भी बातचीत करने के लिए अधिकृत किया है।

इधर, हमास के प्रवक्ता अब्देल लतीफ अल-कनौआ ने गुरुवार को कहा कि शेष इजरायली बंधकों को मुक्त करने का सबसे अच्छा तरीका दूसरे चरण की बातचीत है, जिसे फरवरी में शुरू किया जाना था। हालांकि, अब तक केवल सीमित प्रारंभिक वार्ता ही हुई है।

हमास के कब्जे में अब भी 24 बंधक

ट्रंप की धमकियों ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को गाजा में युद्धविराम समझौते से बचने के लिए बढ़ावा दिया है। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, हमास ने अब भी 24 लोगों को बंधक बना रखा है, जिनमें इजरायली-अमेरिकी एडन अलेक्जेंडर भी शामिल हैं।

अच्छी परफॉर्मेंस के बाद भी CEO ने कर्मचारी को कंपनी से निकाला,बताई ये वजह, क्या बोले यूजर्स ?

नई दिल्ली,06 मार्च 2025। अमेरिका में कॉर्पोरेट सेक्टर ह्यवी है। यहां कॉर्पोरेट में डिसिप्लीन और रिजल्ट ओरिएंटेड काम को लेकर काफी सख्ती बनी रहती है। इसी तरह का एक ताजा मामला सामने आया है। अमेरिकी सीईओ ने एक कर्मचारी को सिर्फ इसलिए निकाल दिया कि उनमें काम करने की जिजीविषा कम नजर आ रही थी।

अमेरिकी सीईओ द्वारा अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद सिर्फ इस वजह से कर्मचार को फायर करने यानी निकालने कि उनमें काम की ललक थोड़ी कम हो गई थी, यह बात लोगों को हजम नहीं हो रही है। इस बात पर आनलाइन बहस छिड़ गई है।

किस वजह से कर्मचारी को निकाला?

अमेरिका में कैलिफोनिया के एक स्टार्टअप के सीईओ ने आनलाइन चैटिंग के दौरान इस बात को स्वीकार किया कि उन्होंने एक अच्छी कार्य क्षमता वाले कर्मचारी को सिर्फ इसलिए निकाल दिया,क्योंकि उनमें काम करने की ललक कम हो गई थी।

सफल था, फिर भी क्यों निकाला, सीईओ ने दिया ये तर्क

ट्रिवियम ग्रुप के संस्थापक और सीईओ मीना एलियास ने लिंक्डइन पर इस बात का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी के कर्मचारी जो उनकी सफल टीम का एक हिस्सा था, उसे जॉब से निकाल दिया।

उन्होंने बताया कि उस कर्मचारी की स्किल्स भी अच्छी थी, लेकिन उसका रवैया और काम का विजन उनकी कंपनी के अनुरूप नहीं रह गया था।

एलियास ने आगे लिखा कि नौकरी से निकालने की वजह यह थी कि उनमें काम के प्रति जोश में काफी कमी आ गई थी। उन्होंने सफल कर्मचारी को नौकरी से निकालने की वजह भी बताई।

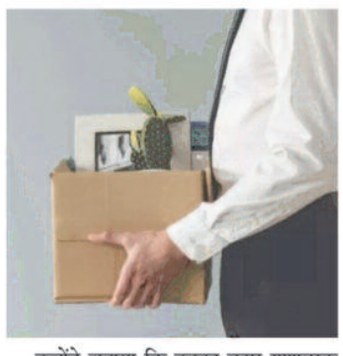

उन्होंने बताया कि उनका काम गुणात्मक रूप से ठीक था, लेकिन कंपनी के प्रति रवैया ठीक नहीं लग रहा था।

कंपनी की ग्रोथ के लिए कठोर निर्णय लेना जरूरी

उस कर्मचारी की स्किल्स तगड़ी थी, लेकिन काम को लेकर उत्साह कम हो रहा था। उनका काम और कंपनी में प्रभाव भी कम होता जा रहा था। एलियास ने आगे कहा कि किसी भी कर्मचारी को सिर्फ इसलिए कंपनी में बनाए रखना कि वह कभी बहुत अच्छा काम किया करते थे, यह सही नहीं है। यह कमजोर लीडरशिप का उदाहरण है। कंपनी की ग्रोथ के लिए कभी कभी कड़वे निर्णय लेने की जरूरत होती है।

सोशल मीडिया पर हो रही बहस, क्या कह रहे यूजर्स?

एलियास ने लिंक्डइन पर यूजर्स से पूछा कि क्या वे भी लीडर होते तो अच्छे प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी को ऐसे ही निकालते? सीईओ की इस पोस्ट पर सोशल मीडिया में काफी बहस हो रही है। कुछ यूजर्स ने एलियास का पक्ष लिया और उनके निर्णय को सही बताया। इसके पीछे तर्क दिया कि कंपनी में काम करने वाले व्यक्ति का प्रदर्शन भले ही अच्छा हो, पर उत्साह में कमी दूसरे कर्मचारियों पर भी प्रभाव डालाती है।

सीईओ के तर्क की किस तरह हुई आलोचना

कुछ यूजर्स ने सीईओ के तर्क की खूब आलोचना की और तर्क दिया कि अच्छा काम करने वाले व्यक्ति को निकालना गलत है। कर्मचारी के काम का मूल्यांकन उनके व्यवहार और व्यक्तिपरक धारणाओं की बजाय उनका कंपनी के प्रति कितना योगदान रहा है, इस आधार पर होना चाहिए।

एक यूजर ने तो कंपनी के सीईओ के निर्णय पर ही सवाल खड़े कर दिए। यूजर ने लिखा %उस व्यक्ति ने भले ही काम करने का जुनून या उत्साह खो दिया। लेकिन यह सीईओ की गलती है। सीईओ को कर्मचारी से इस संबंध में पहले बात करना चाहिए थी। लेकिन बात किए बिना ही उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया।

समाज में अभी भी लैंगिक भेदभाव और महिलाओं पर हमलों की घटनाएं आम, यूएन की रिपोर्ट में दावा

न्यूयॉर्क,06 मार्च 2025। तीस साल पहले दुनियाभर के नेताओं ने एक ऐतिहासिक ब्लूप्रिंट को स्वीकार किया था, जिसमें लैंगिक समानता के लक्ष्य को हासिल करने की बात थी। हालांकि तीन दशक बीत जाने के बाद भी समाज में महिलाओं की स्थिति में बहुत ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, समाज में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हमले की घटनाएं अभी भी लगातार जारी हैं। इसका समाज और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र की यह रिपोर्ट गुरुवार को जारी हुई, जिसमें कहा गया है कि दुनिया के एक तिहाई देशों में तो बीते साल महिलाओं अधिकारों के खिलाफ विरोध भी हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ मामलों में तरक्की हुई है, जिसमें लड़कियों की शिक्षा और परिवार नियोजन आदि हैं, लेकिन महिलाओं के खिलाफ हिंसा अभी भी चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार,दुनिया में हर 10 मिनट में एक लड़की की उसके ही परिजनों या रिश्तेदारों द्वारा हत्या की जा रही है। महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की घटनाएं साल 2022 की तुलना में 50 फीसदी तक बढ़ गई हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय जारी की गई है, जब 8 मार्च को दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाने वाला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सिर्फ 87 देश ऐसे हैं, जिनका नेतृत्व महिला नेता द्वारा किया जा रहा है।

मंत्री को चोट्टा, बेवकूफ बोलने वाले जनपद सदस्य को जुलूस निकाल भेजा गया जेल

- संवाददाता -
बलरामपुर,06 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

नव निर्वाचन जनपद सदस्य के द्वारा अपने विजय रैली में कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम के नाम से असंसदीय भाषा का प्रयोग किया। परीक्षा केंद्र बदलने पर मंत्री को चोट्टा और बेवकूफ कहा था। इस मामले का वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा ने इस आपत्तिजनक बताया था। वहीं भारतीय जनता युवा मोर्चा ने थाने में शिकायत देकर जनपद सदस्य मोहम्मद बख्श के खिलाफ कार्यवाही की मांग की थी। इसके अलावा भी 23 फरवरी को तीसरे चरण के मतदान के दौरान मतदान सामग्री लूटने और मतदान करने से गाली गलौज का आरोप जनपद सदस्य मोहम्मद बक्श के ऊपर था। पुलिस ने जनपद सदस्य को गिरफ्तार कर जुलूस निकाल कर जेल भेजा हैं।

उक्त मामले के संबंध में बताया गया कि रामचंद्रपुर जनपद पंचायत के क्षेत्र क्रमांक 12 से जनपद सदस्य का चुनाव मोहम्मद बक्श ने जीता था। चुनाव जीतने के बाद 26 फरवरी को रामचंद्रपुर में विजय जुलूस निकाला गया था। विजय जुलूस निकालकर मतदाताओं का आभार प्रदर्शन जो निर्वाचित जनपद सदस्य मोहम्मद बक्श ने किया था। रैली के बाद आमसभा में रामचंद्रपुर का परीक्षा केंद्र बदले जाने को लेकर बयान देते हुए कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम के खिलाफ अमर्यादित और अशोभनीय टिप्पणी मोहम्मद बक्श ने की थी। अपने संबोधन के दौरान मंत्री को चोट्टा और बेवकूफ कह कर संबंधित किया जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था।

नवनिर्वाचित जनपद सदस्य मोहम्मद बख्श ने कहा था कि एक मंत्री जी हैं जो छठवीं बार चुनाव जीत कर आए हैं। उन्होंने हमारे क्षेत्र रामचंद्रपुर के परीक्षा केंद्र को बंद करवा दिया है और 20 किलोमीटर दूर भथुआडामर,गाजर और लोधा में परीक्षा केंद्र बनवा दिया है। उनसे जब एक कार्यक्रम के दौरान पूछा गया कि परीक्षा केंद्र क्यों बंद करवाया गया तब उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा कि तुम्हारे यहां मोहम्मद बख्श चीटिंग करवाता है,सामूहिक नकल करवाता है इसलिए बंद करवाया गया। तो अरे चोट्टा,अरे बेवकूफ उसको नहीं मालूम कि सत्ता उसकी है, सरकार उसकी है, यदि नकल होता है तो केंद्राध्यक्ष को सस्पेंड करें,प्राचार्य को सस्पेंड करें। हमारे बच्चों का सेंटर 20 किलोमीटर दूर क्यों ले जाया गया।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस आपत्तिजनक बात कार्यवाही की मांग की थी। भारतीय जनता युवा मोर्चा के सदस्यों ने मंत्री के खिलाफ और अपशब्द कहने पर थाने में भी शिकायत दी थी। वही रामचंद्रपुर थाने में 23 फरवरी को हुए वोटिंग के दौरान मतदान कर्मियों से गाली गलौज करने, मतदान सामग्री लूटने के आरोप में भी एफआईआर थी। मामले में पुलिस ने नवनिर्वाचित जनपद सदस्य मोहम्मद बख्श को गिरफ्तार किया फिर उसका पैदल शहर की सड़कों में जुलूस निकालकर उसे जेल दाखिल करवाया गया।

ड्रेसर नहीं तो सफाईकर्मी से ही काम चला रहे खण्ड चिकित्सा अधिकारी ?

क्या खण्ड चिकित्सा अधिकारी किसी को भी अपने मन मुताबिक दे सकते है प्रमोशन...मरीजों की जान से खिलवाड़ क्यों...सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अस्पताल में सफाईकर्मी मिला इलाज करते

-शमरोज खान -
सूरजपुर 06 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

किसी भी साथ की अस्पताल में हर कार्य के लिए अलग-अलग पद की नियुक्ति रहती है अपने पद की नियुक्ति के अनुसार सभी का कार्य होता है पर सूरजपुर जिले के बिहार पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपने मूल पद के अलावा दूसरे पद पर कार्य करते देखे गए जिन्हें उसे कर का अनुभव नहीं है वैसे लोग वह कार्य करके मरीजों के जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, सफाई कर्मी का काम अस्पताल की साफ सफाई करना है ना कि किसी घायल मरीज का ड्रेसिंग करना? सूरजपुर के बिहरपुर स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ किया

खण्ड चिकित्सा अधिकारी बोले प्रमोशन देकर बनाया वार्ड बॉय

जा रहा है, यहां सफाईकर्मी मरीजों का इलाज कर रहा है, इस मामले में सीएमएचओ ने जांच की बात कही है। सूरजपुर का बिहरपुर स्वास्थ्य केंद्र भगवान भरोसे चल रहा है, जहां लगातार मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, दरअसल,सूरजपुर जिले के बिहरपुर स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त डॉक्टर और नर्स होने के बावजूद स्वीपर (सफाईकर्मी) मरीजों का इलाज कर रहा है, खुद अस्पताल के प्रबंधक भी इस बात को मान रहे हैं कि ड्रेसर नहीं होने की वजह से सफाईकर्मी सुगन सिंह का प्रमोशन कर उसे वार्ड बॉय बनाया गया है, जो ड्रेसिंग का काम कर रहा है. वहीं, मामला संज्ञान में आने के बाद सीएमएचओ ने मामले की जांच कराने के बाद कार्रवाई की बात कही है। अस्पताल के खंड चिकित्सा अधिकारी से जब पूछा गया कि वह मरीजों का कैसे इलाज या ड्रेसिंग कर रहा है तो उन्होंने बताया कि दो वर्ष पहले तक वह स्वीपर था, लेकिन अब प्रमोशन करके सुगन को वार्ड बॉय बना दिया है,डॉक्टर और नर्स से सीखकर वह ड्रेसिंग कर रहा है।

स्वीपर और वार्ड बॉय नहीं कर सकता इलाज

वहीं, जिले के सीएमएचओ केडी पैकरा ने बताया कि कोई भी स्वीपर या वार्ड बॉय ड्रेसिंग का काम नहीं कर सकता है. इस मामले में मीडिया से जानकारी मिलने के बाद उन्होंने कहा कि वो मामले में जांच कराएंगे. साथ ही दोषियों पर कार्रवाई करने की बात कही।

स्थानीय लोग कर चुके हैं शिकायत

वहीं,स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वीपर से ड्रेसिंग या इलाज कराना मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ है. उन्होंने कहा कि वो पहले भी इस मामले में शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई व्यवस्था नहीं सुधरी है।

महापौर राम नरेश राय समेत 27 भाजपा व 11 कांग्रेस और दो निर्दलीय ने लिया शपथ

प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम,प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव,स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक रेणुका सिंह,विधायक भैयालाल राजवाड़े,जिलाध्यक्ष चंपा देवी पावले के आतिथ्य में संपन्न हुआ शपथ ग्रहण समारोह

चिरमिरी की जनता को भाजपा का जनप्रतिनिधि चुनने के लिए धन्यवादःकिरण सिंह देव, प्रदेश अध्यक्ष भाजपा

स्थायित्व,बेरोजगारी और साफ सफाई के लिए संकल्पित है शहर सरकारःश्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री,छत्तीसगढ़ शासन

-संवाददाता-
चिरमिरी,06 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

नगर पालिका निगम चिरमिरी परिसर में नवनिर्वाचित महापौर राम नरेश राय एवं 40 वार्ड पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन आज सम्पन्न हुआ। इस शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम,विशिष्ट अतिथि किरण सिंह देव,श्याम बिहारी जायसवाल रहे।महापौर राम नरेश राय एवं पार्षदों को कलेक्टर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।विदित हो कीवनगर पालिका निगम चिरमिरी में पांचवें महापौर के तौर पर रामनरेश राय ने शपथ ली और शपथ लेते ही उन्होंने चिरमिरी के विकास को तीव्र गति से करने के की बात कही वही निर्वाचित कांग्रेस के पार्षदों ने शपथ ग्रहण समारोह से दूरी बनाए रखा।कांग्रेस के सभी निर्वाचित पार्षदों का शपथ ग्रहण निगम में बनाए गए निगम के कलेक्टर के चेंबर में संपन्न कराया गया। ज्ञात रहे कि नगर पालिक निगम चिरमिरी के भाजपा प्रत्याशी राम नरेश राय को 18891 मत प्राप्त हुए थे वहीं कांग्रेस के डॉ विनय जायसवाल को 13199 मत से संतोष करना पड़ा था। चिरमिरी के नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत से आश्वस्त भाजपा जनप्रतिनिधियों ने पूरे जोश से आज शपथ लेते हुए वार्ड और क्षेत्र के विकास में अपनी अहम भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री और स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि नगरीय निकाय चुनाव 2025 के नतीजों के बाद पूरे प्रदेश में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो चुका है यह सुशासन का प्रमाण पत्र है। निश्चित रूप से माननीय विष्णु देव साय चिरमिरी के विकास के लिए पैसे की कमी नहीं होने देंगे। चिरमिरी का संपूर्ण विकास स्थायित्व, बेरोजगारी और नगर की साफ सफाई और मूलभूत सुविधा देने का हमने संकल्प लिया है। आज का शपथ ग्रहण समारोह डबल इंजन की सरकार को ट्रिपल इंजन का तोहफा जनता ने दिया है जिसके पद और गोपनीयता की शपथ कलेक्टर एमसीबी ने दिलाई वही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि सबसे पहले चिरमिरी की आम जनता माता-बहनों का धन्यवाद अर्पित करता हूँ जिन्होंने भाजपा का महापौर बनाया और साथ ही 27 भाजपा पार्षदों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया है। उन्होंने विष्णु देव सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जनता ने 14 माह के कार्यकाल को देखी है और वो सरकार के कामों से खुश है। इन 14 माह में गांव और शहर सभी में जनकल्याणकारी योजनाएं पहुंची और अब भाजपा का शहर सरकार बनने से बड़े ही तेजी से स्थानीय क्षेत्रों का विकास होगा।

सिद्ध बाबा पहाड़ी में लगी भीषण आग,रिहायशी इलाके में मचा हड़कंप

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,06 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़ वन मंडल के सिद्ध बाबा पहाड़ी इलाके में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। वहीं आग रिहायशी क्षेत्र की ओर बढ़ रही है। आग से निकला धुआं विवेकानंद कॉलेज तक पहुंच गया है, जिसके कारण कॉलेज के छात्र-छात्राओं को बाहर निकाला गया। अभी तक वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची है।

बता दें कि सिद्ध बाबा पहाड़ी में लगी आग तेजी से फैल रही है। आग के धुएं से आसपास के इलाकों में दृश्यता कम हो गई है। विवेकानंद कॉलेज में धुएं का गहरा असर हुआ,जिसके कारण कॉलेज प्रशासन ने छात्र-छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकाला। आग अब रिहायशी इलाके की ओर बढ़ रही है, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई है। लोग अपने घरों और संपत्ति को बचाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं।

23 मार्च को होगा राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा अभियान, विकास खंड में प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

-संवाददाता-
सोनहत,06 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के तहत राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा अभियान 23 मार्च को होने जा रहा है। इस अभियान की तैयारियों को लेकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अध्यक्ष नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की अध्यक्षता में जनपद सभा कक्ष में समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला आयोजित की गई। बैठक में विकास खंड शिक्षा अधिकारी सोनहत सहित संकुल समन्वयक के साथ सभी ग्राम पंचायत के सचिव उपस्थित रहे।

महापरीक्षा अभियान की तैयारियां- बैठक में विकास खंड साक्षरता मिशन समिति से मिली जानकारी के अनुसार 15 से अधिक आयु वर्ग के चिन्हित शिक्षार्थी जो अभी शिक्षा की धारा से नहीं जुड़ सके हैं उनके अभियान के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न स्तर में समन्वयक को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिला परियोजना अधिकारी एवं राज्य साक्षरता मिशन के निर्देशों के अनुसार विकासखंड के प्रत्येक ग्राम तक प्रचार-प्रसार, नामांकन,पंजीकरण,डाटा कम्प्यूटरीकरण और परीक्षा की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ग्राम सचिवों की बैठक आयोजित कर परीक्षा केंद्रों पर सुविधाएं उपलब्ध कराने और प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है जिसके अनुक्रम में यह जिम्मेदारी सचिव ग्राम पंचायत को दी गई। विकासखंड शिक्षा अधिकारी/नोडल अधिकारी को परीक्षा संचालन, मूल्यांकन और परीक्षा केंद्रों तक प्रश्न पत्रों की सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है जिसके लिए संकुल प्राचार्यों और समन्वयकों को परीक्षा केंद्रों पर समन्वय, उत्तर पुस्तिकाओं की जांच और डाटा एंट्री में सहयोग करने का कार्य सौंपा गया है।

परीक्षा केंद्रों पर सुविधाएं होंगी सुनिश्चित

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार सभी परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और फर्नीचर की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्राप्त निर्देश की जानकारी प्रदान की गई साथ ही महापरीक्षा अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए दीवारों पर नारा लेखन और जागरूकता कार्यक्रम एवं मुनादी हेतु निर्देश दिया गया।

जनभागीदारी से अभियान को सफल बनाने की अपील

जिला प्रशासन के निर्देशानुसार सभी संबंधित विभागों के सामूहिक प्रयासों से इस अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया है, ताकि अधिक से अधिक शिक्षार्थी लाभान्वित हो सकें और साक्षरता दर में वृद्धि हो।

12 वीं की माध्यमिक शिक्षा मण्डल की परीक्षा सफलतापूर्वक हुई संचालित

3341 परीक्षार्थी हुए शामिल

-संवाददाता-
सूरजपुर,06 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष 2025 कक्षा 12वीं, विषय इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, कृषि विज्ञान के तत्व एवं गणित, ड्राइंग एंड पेंटिंग, आहार एवं पोषण (फूड एंड न्यूट्रिशन) सूरजपुर जिले के निर्धारित 73 परीक्षा केंद्रों में कुल परीक्षार्थी दर्ज संख्या - 3341, उपस्थित 3268, अनुपस्थित 73 समस्त परीक्षा केंद्रों में परीक्षा सफलतापूर्वक संचालित हुई।

समाज रत्न से सम्मानित श्री सिन्हा के कोरबा आगमन पर किया गया जोरदार स्वागत

-संवाददाता-
कोरबा,06 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

सामाजिक कार्यकर्ता विनोद सिन्हा का गाजियाबाद में ÷समाज रत्न÷ से सम्मानित होने के पश्चात कोरबा पहुंचने पर नगर पालिका निगम कोरबा के वार्ड 16 के पार्षद रामकुमार साहू अपने समर्थकों के साथ कोरबा रेलवे स्टेशन सीतामढ़ी चंदेला होटल के समीप साल और श्रीफल से सम्मानित किया गया द्य इस अवसर पर पंप हाउस वार्ड के पूर्व पार्षद व मेयर इन काउंसिल के सदस्य रामकिशोर यादव उर्फ दादू सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। वहीं दूसरी ओर ट्रांसपोर्ट नगर में छत्तीसगढ़ अखबार वितरण

संघ जिला इकाई कोरबा के अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू के नेतृत्व में विनोद सिन्हा को पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गयाद्य जिसमें प्रदेश संरक्षक पदम सिंह चंदेल ,जय सिंह नेताम,लक्ष्मी राठौर, रामायण ,राय सिंह, तपेश्वर राठौर, अनिल गिरी, ओंकार गुप्ता,शंकर दिव्य, अखिलेश राठौर, कृष्णा निर्मलकर, हेमंत जांगड़े आदि उपस्थित थे ।

कार्यालय जिला सेनानी,नगर सेना,अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएँ,बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

नीलामी सूचना

क्रमांक/196/भण्डार/2025 बलरामपुर,दिनांक 04/03/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस विभाग के अन्तर्गत बलरामपुर जिले के निष्प्रयोज्य घोषित भण्डार सामाग्रियों को नीलामी दिनांक 25/03/2025 दिन मंगलवार को कार्यालयीन समय 11:00 बजे नगर सेना कार्यालय बलरामपुर स्थित होमगार्ड केम्प परिसर में की जावेगी। निष्प्रयोज्य घोषित सामग्रियों में होमगार्ड जवानों की वर्दी सामग्री जैसे, बूट एंकल, जंगल बूट, डर्बी शू, शर्ट सफेद, फूलपेंट नीला, शर्ट टेरीकॉट, फूलपेंट टेरीकॉट, बरसाती मय टोपी, जर्सी खाखी, अंगोला शर्ट, हाफपैन्ट, मोजा नायलोन, कैप बैरेट उलन, मोजा जोड़ उनी, कंबल, मच्छरदानी कॉटन, ग्राउण्ड शीट, ब्राउन पी0टी0 शू,मच्छरदानी, नॉयलोन,दर्री,जर्सी नीली,नीली बड़ी दरी, शर्ट खाखी कॉटन, बेल्ट लेदर काला, टोपी बैच, लेनियार्ड, केन, कंधा बैच, तगाड़ी, बेलचा सम्पूर्ण सामग्री एक ही लॉट में नीलामी की जावेगी। इच्छुक खरीददार नीलामी तिथि के एक दिन पूर्व कार्यालयीन समय में आकर नीलामी की जाने वाली सामग्री को देख सकेगें।

01. प्रत्येक खरीददार को बोली लगाने के पूर्व राशि रूपये 1000/- (एक हजार) मात्र प्रतिभूमि के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा। जिस खरीददार की बोली स्वीकार नहीं होगी उन खरीददार की जमा राशि वापस कर दी जावेगी।
02. खरीददार की उच्चतम बोली पर्यवेक्षक अधिकारी के द्वारा स्वीकार किये जाने पर सम्पूर्ण राशि जमा कर उसी दिन ही सम्पूर्ण सामग्रियों को उठाना होगा।
03. बोली लॉट में जहां है जितना है के आधार पर स्वीकार होगी।
04. नीलामी बोली की स्वीकृत अथवा अस्वीकृत के सम्पूण अधिकार नीलामी कमेटी की होगी।

जिला सेनानी
एवं अग्निशमन अधिकारी
नगर सेना बलरामपुर

जी नंबर-242505757/2

न्यायालय नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

रा.प्र.क्र.202403021700051 /अ-21/2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उत्तम आ0 जगधारी, व अन्य 01,निवासी ग्राम आमादरहा, तहसील दरिमा, जिला-सरगुजा,छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम श्रीगढ़ स्थित व्यपवर्तित भूमि खसरा नंबर 168/2 रकबा 0.020 हे0 भूमि आवेदकगण को रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक विशाल कुमार सोनी आ0 अशोक सोनी, निवासी लोकनायक जयप्रकाश वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0 को रू0 23,00,000/- (तेईस लाख रूपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17/03/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/02/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
नायब तहसीलदार
अंबिकापुर-2

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संगलू, रामबाई आ0 नान जाति उरांव निवासी लवईडीह तहसील सोहगा जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम पोडिपा तहसील सोहगा जिला सरगुजा, छ0ग0 खसरा नंबर 298/2 रकबा 0.619 हे0 में से 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 22/03/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 06/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 सादिक खान पिता मेहताब खान जाति मुशलीम निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छह0ग0 खसरा नंबर 2518/21 रकबा 0.024 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा,भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र,सेटलमेंट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 22/03/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 06/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निर्मला कुजूर पत्नी प्रदीप केरकेट्टा जाति उरांव निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला,सरगुजा,छ0ग0 खसरा नंबर 30/4 रकबा 0.028 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 22/03/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 06/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

कार्यालय,कार्यपालन अभियन्ता

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,खण्ड-अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

नि.सू.क्र./53/व.ले.लि./का.अभि./लो.स्वा.यां.वि./2024-25, अम्बिकापुर,दि.03.03.2025

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से सरगुजा जिले के विभिन्न विकासखण्डों में जमामद कार्य अंतर्गत वाटरकूलर का प्रदाय, स्थापना एवं संधारण का कार्य हेतु अलग-अलग समूहवार निविदायें प्रपत्र 'ब' में निर्माता/अधिकृत विक्रेता से निम्न दर्शाये समय-सारणी एवं विवरण के अनुसार निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदायें केवल रजिस्टर्ड पोस्ट /स्पीड पोस्ट डाक से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त की जावेगी।

3. समय-सारणी-

1. निविदा प्रपत्र क्रय करने के लिये खंड कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत करने का अंतिम दिनांक - 17.03.2025 (अपरान्ह 5.00 तक)
2. निविदा प्रपत्र का शुल्क जमा करने का दिनांक - 19.03.2025 (अपरान्ह 5.30 तक)
3. कोरे निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का दिनांक - 19.03.2025 (अपरान्ह 5.30 तक)
4. निविदाये रजिस्ट्रर्ड पोस्ट/स्पीड पोस्त डाक से खंड कार्यालय में प्राप्त करने का अंतिम दिनांक - 21.03.2025 (अपरान्ह 3.30 तक)
5. निविदायें खोलने का दिनांक - 21.03.2025 (अपरान्ह 3.30 बजे से)

4. कार्य का नाम- सरगुजा जिले के विभिन्न विकासखण्डों में वाटरकूलर का प्रदाय, स्थापना एवं संधारण का कार्य संलग्न शेड्यूल अनुसार ।

समूह क्र.	विकासखण्ड का नाम	वाटरकूलर की संख्या	अनु.लागत (रू.लाख में)	अमानत राशि रू.	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू.	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु छोड़कर
1	2	3	4	5	6	7
1	अम्बिकापुर	9 नग	6.75	5100/-	750.00	01 माह
2	लखनपुर	5 नग	3.75	3800/-	750.00	01 माह
3	लुण्ड्रा (अ)	11 नग	8.25	6200/-	750.00	02 माह
4	लुण्ड्रा (ब)	17 नग	12.75	9600/-	750.00	02 माह

यह निविदा मूल निविदा का एक अंग है। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी तथा विशेष शर्ते (जो निविदा एवं अनुबंध का हिस्सा होगी) कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र क्रय करने बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।

जी नंबर-242505732/1

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड अम्बिकापुर (छ.ग.)

CMYK

कोरिया पैलेस राजदीप सिंहदेव को रियासत में वारिसदार क्यों नहीं मान रहा?

» कोरिया पैलेस राज परिवार ने लाल हरिशरण सिंहदेव को पैतृक जमीन से क्यों दूर रखा?

» लाल हरिशरण सिंह देव को क्यों कोरिया रियासत के पैतृक संपत्ति से दूर किया गया...बटवारा सिर्फ रामानुज प्रताप सिंह देव के ही चार पुत्रों में क्यों हुआ?

» लाल हरिशरण सिंह देव के पोते राजदीप सिंह देव उनकी बहन अनुराधा सिंह देव राणावत अपने मालिकाना हक के लिए कोरिया जिले के राजस्व कार्यालय के चक्कर लगाने को हुए मजबूर

» जबकि स्व. डॉ. रामचंद्र सिंह देव की लिखी किताब में भी लाल हरिशरण सिंहदेव उनका परिवार राजपरिवार का हिस्सा है ऐसा वंशावली में देखने को मिलता है...फिर भी कोरिया रियासत की जमीन पर उनका फौती क्यों नहीं चढ़ा?

» क्या वर्तमान राजा... राजदीप सिंहदेव की पहचान उजागर नहीं होने देना चाहते इस वजह से होली पर्व के लगे पोस्टर को हटवाया?

-रवि सिंह-
कोरिया,06 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया रियासत या कहे कोरिया पैलेस राजपरिवार का जमीन विवाद इस समय सुर्खियों में है,इस विवाद की उत्पत्ति की वजह ही महाराजा रामानुज प्रताप सिंह देव के निधन के बाद देखने को मिला जब उनके जेष्ठ पुत्र भूपेंद्र नारायण सिंहदेव ने फौती चढ़ाने में गड़बड़ी की जिस वजह से जमीन विवाद उत्पन्न हुआ,राजदीप सिंहदेव ने जो जानकारी दी वह काफी चौंकाने वाली है और काफी रोचक भी है इन्होंने बताया कि राजा शिवमंगल सिंहदेव कोरिया के राजा थे उनके तीन पुत्र थे महाराजा रामानुज प्रताप सिंह देव,लाल रामशरण सिंह देव व लाल हरिशरण सिंहदेव, रामानुज प्रताप सिंह देव ज्येष्ठ पुत्र थे जिस वजह से वह कोरिया के राजा कहलाए, लाल रामशरण सिंह देव दूसरे पुत्र थे वह लाल हरिशरण सिंह देव उनके छोटे पुत्र थे...लाल रामशरण सिंहदेव जो अमेरिका चले गए थे इस वजह से उन्होंने अपनी संपत्ति अपने दोनों भाइयों को दे दी थी, लाल रामशरण सिंहदेव की दो पुत्री है,साथ ही लाल रामशरण सिंहदेव ने अपने हिस्से की जमीन अपने बड़े व छोटे भाई के नाम करने को कह दिया था,जिसके बाद कोरिया राजपरिवार की जमीन को पांच हिस्से में बंटवारा होना था पर रामानुज प्रताप सिंह देव के निधन के बाद उनके चार बेटे के नाम पर ही जमीन का बंटवारा किया गया,लाल हरिशरण सिंहदेव को राज परिवार के जमीन से दूर रखा गया, रामानुज प्रताप सिंह देव के चार पुत्र थे पहले भूपेंद्र नारायण सिंहदेव दूसरे निपेंद्र नारायण सिंह देव तीसरे महेंद्र प्रताप सिंहदेव व सबसे छोटे पुत्र थे डॉ रामचंद्र सिंहदेव, उनके नाम पर कोरिया रियासत की भूमि का बंटवारा हुआ, जिसमें भूपेन्द्र नारायण सिंहदेव की तीन संताने थी जिसमें दो बेटी व एक बेटे थे बेटे राघवेंद्र सिंह देव जो इस समय कोरिया पैलेस के राजा कहलाते हैं, इनके ऊपर आरोप यह है कि इन्होंने लाल हरिशरण सिंहदेव के दो बेटे थे बड़े बेटे का नाम वीरेंद्र सिंह देव था तो वहीं छोटे बेटे का नाम अम्बरीश सिंहदेव का पूरा नाम लाल ईश्वर शरण सिंह देव था, उनके ज्येष्ठ पुत्र वीरेंद्र सिंह देव बाल अवस्था में अविवाहित में ही उनकी मृत्यु हो गई थी,वही अम्बरिश सिंह देव के दो संतान हैं राजदीप सिंह देव जो जेष्ठ हैं तो वही अनुराधा सिंह देव राणावत उनकी छोटी पुत्री हैं, जो आज कोरिया रियासत में अपना हक लेने के लिए राजस्व कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। पर सवाल यह उठता है कि आखिर कोरिया पैलेस के राजा, लाल हरिशरण सिंह देव को कोरिया रियासत के जमीन से दूर क्यों रखा गया,जिस वजह से आज उनके पोते राजदीप सिंह देव को राजस्व कार्यालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं? आज जब राजदीप सिंहदेव अपने जमीन पर नाम चढ़वाना चाह रहे हैं और कोरिया में अपनी पहचान बनाना चाह रहे हैं तो फिर उन्हें कोई ना पहचाने ऐसा वर्तमान राजा क्यों कर रहे हैं? राजदीप सिंहदेव ने बताया कि हमने होली पर्व की बधाई कोरिया वाशियों को दी थी जिसमें अपने पूरे परिवार का फोटो लगाया था जिसे राजा साहब के द्वारा अपने कर्मचारियों को बोलकर हटवा दिया गया न जाने वह क्यों नहीं चाहते कि हमारी भी पहचान कोरिया जिले में हो?

राजा साहब,राजदीप सिंहदेव की पहचान नहीं होने देना चाहते जाहिर इस वजह से होली पर्व पर बधाई संदेश का बैनर पोस्टर हटवाया

वर्तमान राजा राजदीप सिंह की पहचान जाहिर नहीं होने देना चाहते यह भी आरोप है राजपरिवार के सदस्यों का और उनका कहना है कि राजा के कहने पर उनके कर्मचारियों के द्वारा उनके लगाए पोस्टर हटवा दिए गए हैं जिनमें उन्होंने राजपरिवार की तरफ से कोरिया वासियों को होली की बधाई दी थी।

राजदीप सिंह देव अपने माता-पिता के साथ कई बार आ चुके हैं कोरिया पैलेस...फिर भी उन्हें राज परिवार का हिस्सा न मनाने की वजह क्या है?

राजदीप सिंह देव बाल अवस्था में अक्सर अपने माता-पिता के साथ कोरिया पैलेस घूमने आया करते थे जिसकी कई तस्वीरें भी दैनिक घटती घटना के पास उपलब्ध है, जिसमें यह देखा गया कि राजदीप सिंह देव कोरिया पैलेस के प्रांगण में घूमा करते थे, यहां पर इस विलास में रहा करते थे कई फेस्टिवल में भी उनका यहां आना-जाना अपने परिवार के साथ होता था, मतलब कि इनके तार अपने परिवार से शुरू से ही जुड़े हुए थे शेष शैक्षणिक अवस्था में आने के बाद ही यहां से थोड़ी सी दूरी हो गई और वह अपने पढ़ाई की वजह से थोड़ा दूर हो गए। वहीं पढ़ाई के दौरान उनके दादी व पिता का काम समय के अंतराल में निधन हो गया है जिस वजह से उनके ऊपर सारी जिम्मेदारी आ गई और वह जिम्मेदारी की वजह से भी थोड़ा दूर हो गए।

लाल हरिशरण सिंह देव को कोरिया रियासत की जमीन में हिस्सा क्यों नहीं दिया गया?

लाल हरिशरण सिंहदेव रामानुज प्रताप सिंह देव के छोटे भाई थे और मंझले भाई थे लाल रामशरण सिंहदेव जिन्होंने भारत से बाहर अमेरिका में आईसीएस अफसर होने की वजह से उनका तबादला हो गया जिसके बाद उन्हें जाना पड़ा, वहीं पर वह बस गए थे, जिस वजह से वह अपने बड़े भाई रामानुज प्रताप सिंह देव व छोटे भाई लाल हरिशरण सिंह देव को अपने हिस्से की जमीन दे दी थी, इसके बाद राजा रामानुज प्रताप सिंह देव के निधन के बाद को उनके चारों पुत्र के अलावा उनके भाई लाल हरिशरण सिंहदेव के नाम भी जमीन होनी थी जो नहीं कि गई सिर्फ उनके चार पुत्र के नाम ही जमीन हो पाई, रामानुज प्रताप सिंह देव के जेष्ठ पुत्र भूपेंद्र नारायण सिंहदेव जेष्ठ होने की वजह से कोरिया पैलेस के राजा हुए उनके बाद के भाई निपेंद्र नारायण सिंहदेव देश से बाहर अमेरिका के निवासी हो गए जिस वजह से उन्होंने भी अपनी भूमि को वैसे ही हालत में छोड़ दिया, वहीं उनके तीसरे पुत्र महेंद्र प्रताप सिंह देव वह उनके छोटे पुत्र रामचंद्र सिंह देव की काफी जमीन थी। अब जो जमीन बची हुई है वह जमीन भूपेन्द्र नारायण सिंहदेव के बेटे राघवेंद्र सिंहदेव व उनकी बेटी अदिति देवी व आकांक्षा देवी के नाम बताई जा रही है वहीं निपेंद्र नारायण सिंहदेव की जमीन पर वर्तमान विधायक दो-तीन सालों से कब्जा किए बैठी हैं,जबकि इस जमीन व इसके अलावा अन्य जमीन पर लाल हरिशरण सिंहदेव के पोते राजदीप सिंह देव व उनकी बहन अनुराधा सिंह देव राणावत अपना हिस्सा लेने के लिए राजस्व कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। बैकुण्ठपुर स्थित कोरिया पैलेस व उसके आसपास की राज परिवार की जमीन में हिस्सा लेने के लिए बैकुण्ठपुर तहसील कार्यालय में दरखास लगाई है।

राजदीप सिंहदेव ने अपने राज परिवार से होने के लिए कुछ तस्वीरें भी दैनिक घटती-घटना को उपलब्ध कराई...

राजदीप सिंहदेव ने दैनिक घटती-घटना को तस्वीर भी साझा की एक तस्वीर दिखाई जिसमें राजदीप सिंहदेव व उनकी बहन अनुराधा सिंहदेव राणावत अपने बड़े पिता जी स्व. रामचंद्र सिंहदेव अपने पिता अम्बरिश सिंहदेव अपनी माता व अपने दादी की तस्वीर दी जिसमें वह साथ देखे जा रहे हैं कि वह उस परिवार का हिस्सा है,एक तस्वीर झुमका बांध की है जहां पर राजदीप सिंहदेव के पिता व उनकी बहन कोरिया कुमार के साथ खड़े हैं। एक फैमिली तस्वीर भी उन्होंने दिखाई जिसमें रामानुज प्रताप सिंह देव उनके मंझले भाई लाल रामशरण सिंहदेव व छोटे भाई लाल हरीशरण सिंहदेव के साथ उनके चारों बेटे की तस्वीर उन्होंने दिखाई और बताया कि उनके दादा राज परिवार के हिस्सा थे।

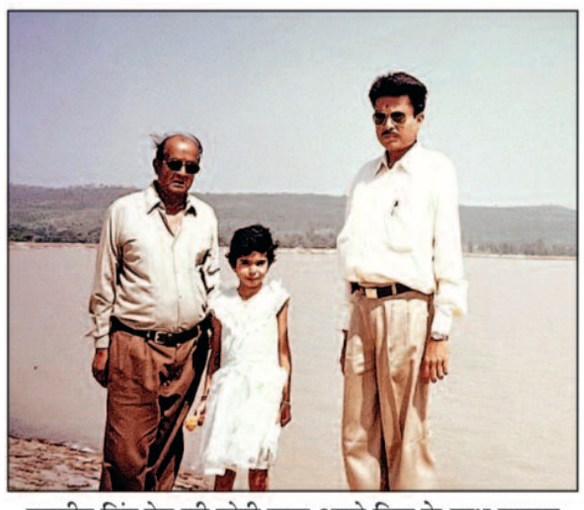

राजदीप सिंह देव की छोटी बहन अपने पिता के साथ झुमका बांध के तट पर अपने बड़े पिता के साथ की तस्वीर।

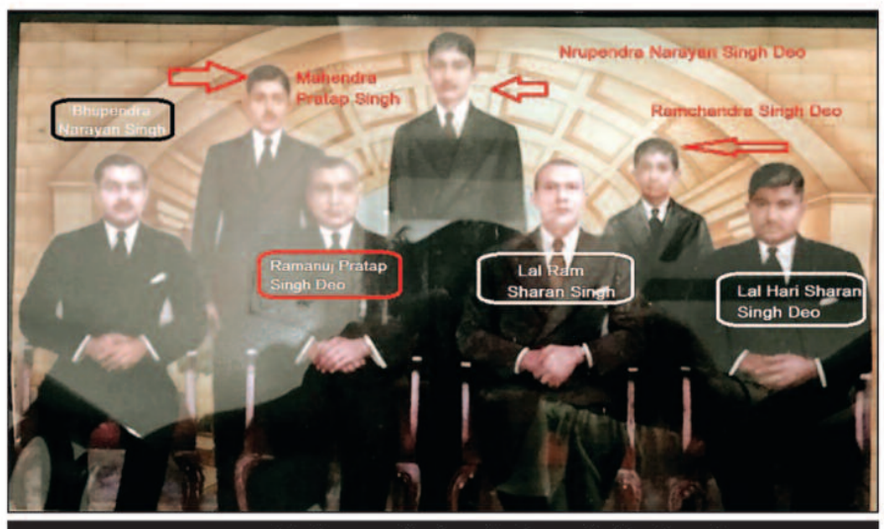

रामानुज प्रताप सिंह देव व उनके दो भाई सहित चारो बेटे की तस्वीर।

महल के दरवाजे की तस्वीर जहां पर राजदीप अपने पिता के साथ खड़े हैं।

फाईल फोटो

फाईल फोटो

राजदीप सिंह देव अपने पिता माता बहन दादी व अपने बिना बड़े पिता के साथ बैठे हुए।

इंग्लिश में लिखी किताब का गूगल ट्रांसलेट का हिंदी अनुवाद।

फाईल फोटो

कोरिया महल की तस्वीर पारंपरिक विजयदशमी के पूजा के दौरान की जिसमें राजदीप के पिता अपने भाई डॉ. रामचंद्र सिंह देव के साथ खड़े हैं।

फाईल फोटो

महल के अंदर की तस्वीर जिसमें राजदीप उनकी बहन वह उनकी दादी एक बेंच पर बैठी हैं।

कोरिया कुमार की लिखी किताब में भी लाल हरिशरण सिंहदेव का वंशावली में नाम है फिर कोरिया रियासत के जमीन से नाम कैसे गायब हुआ?

कोरिया कुमार की लिखी किताब में लाल हरिशरण सिंहदेव का नाम दर्ज है परिवार के सदस्य के रूप में वहीं कोरिया रियासत की जमीनों और संपत्तियों में लाल हरिशरण सिंहदेव का नाम कैसे गायब है। वैसे इसके पीछे राजशाही नियम है और राजा के बेटे का ही नाम राजकीय जमीनों में दर्ज होता था जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत गलत है। वैसे तो कोरिया रियासत पर कई किताब लिखी गई है इसमें से एक किताब डॉ रामचंद्र सिंह देव ने खुद ही लिखी थी, जिसका नाम है जस्टिस इस द बेसिस ऑफ़ गवर्नमेंट यह किताब इंग्लिश लिखी गई थी जिसका व हिंदी अनुवाद भी तयार किया गया था ताकि लोग उसे पढ़ सके,यह किताब राजाओं की व्यवस्था पर लिखी गई थी, जिसमें कोरिया स्टेट से लेकर कोरिया के इतिहास भी इस किताब में मौजूद है यह किताब 123 पन्ने की लिखी गई थी इस किताब के 67 में पेज व 103 पेज में राज परिवार के वंशावली भी दी गई है, जिसमें राजदीप सिंह देव के दादा व पिता का नाम भी लिखा हुआ है, इस किताब के बातों को सत्य माने तो राजदीप सिंह देव इस राज परिवार के हिस्सा है, ऐसे में उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं है कि उनका राज परिवार के जमीन पर हक बनता है, क्योंकि सारे किताब भी यही बताते हैं। यदि कोरिया कुमार की लिखी किताब जस्टिस इस द बेसिस ऑफ़ गवर्नमेंट के पेज नंबर 67 को देखा जाए तो उसमें राज परिवार का वंशावली बना हुआ है वहीं पेज नंबर 103 में लाल हरिशरण सिंह देव व उनके बेटे अम्बरीश एच सिंह चौहान का नाम भी लिखा हुआ है, जिनके बेटे हैं राजदीप सिंह देव। इस प्रकार यदि किताब के पेज नंबर 67 से लेकर 103 को पढ़ा जाएगा तो सारे चीज स्पष्ट हैं की जमीन पर अपना हक लेने पहुंचे राजदीप सिंह देव राज परिवार का हिस्सा है।

कैसे मिलेगा राजदीप सिंहदेव व उनके बहन को न्याय?

अब कोरिया राजपरिवार की जमीन की लड़ाई राजस्व न्यायालय में है और अब सवाल यह उठता है कि इसका निराकरण कैसे होगा। वैसे जब राजपरिवार ने जमीन का बंटवारा किया तब राजपरिवार का राजशाही नियम लागू था कर राजा के बेटे को ही वारिसाना हक मिलता था और अब लोकतांत्रिक व्यवस्था है जहां सभी परिवार के सदस्य हकदार होंगे देखना है इसको लेकर राजस्व न्यायालय क्या न्याय करता है।

CMYK

टीम इंडिया का आईसीसी नॉकआउट मैचों में कैसा है न्यूजीलैंड के खिलाफ रिकॉर्ड

डराने वाले हैं आंकड़े

दुबई,06 मार्च 2025। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 9 मार्च को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला खेला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम इंडिया ने जहां सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से मात देने के साथ खिताबी मैच के लिए अपनी जगह को पक्का किया था तो वहीं न्यूजीलैंड की टीम ने लाहौर के मैदान पर खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मैच में साउथ अफ्रीका को 50 रनों से मात देने के साथ फाइनल में अपनी जगह को पक्का किया। भारतीय टीम को खिताबी मुकाबला जीतना का प्रबल दावेदार भी माना जा रहा है, जिसके पीछे सबसे बड़ी वजह उनका अभी तक सभी मुकाबले दुबई में खेलना भी है। हालांकि आईसीसी नॉकआउट मैचों में टीम इंडिया का न्यूजीलैंड के खिलाफ रिकॉर्ड देखा जाए तो वह बिल्कुल भी बेहतर नहीं है।

भारतीय टीम को 4 में से तीन मुकाबलों में करना पड़ा हार का सामना

टीम इंडिया ने अब तक आईसीसी टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 बार नॉकआउट मुकाबलों में खेला है, जिसमें से उन्हें जहां सिर्फ एक में जीत हासिल हुई तो वहीं चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। दोनों टीमों के बीच पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट में साल 2000 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मैच में भिड़ंत हुई थी, जिसमें कीवी टीम ने जीत हासिल की थी। वहीं इसके बाद साल 2019 के वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला खेला गया था और इसमें कीवी टीम जीतने में कामयाब हुई थी। साल 2021 में हुए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को मात दी थी। इसके बाद टीम इंडिया ने साल 2023 में हुए वनडे वर्ल्ड के सेमीफाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम को मात दी थी, जो उनकी आईसीसी नॉकआउट मुकाबलों में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली जीत भी थी।

चैंपियंस ट्रॉफी में 5 वीं बार फाइनल में पहुंचा भारत

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में 5वीं बार फाइनल में पहुंचने में कामयाब रही है, जिसमें से साल 2000 में जहां उन्हें न्यूजीलैंड से मात मिली थी तो वहीं साल 2002 में टीम इंडिया संयुक्त विजेता रही। साल 2013 में टीम इंडिया ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में जीत हासिल करते हुए चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब को अपने नाम किया था। साल 2017 में भारतीय टीम ने विराट कोहली की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई थी, जहां उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

अरविंद चिदंबरम ने हासिल की एकल बढ़त,टॉप-15 में पांच भारतीय शामिल

नई दिल्ली, 06 मार्च 2025। प्राग मास्टर्स में भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एकल में अपनी बढ़त बनाने के साथ टॉप-15 में भी एंट्री हासिल कर ली है। अरविंद ने नीदरलैंड के अनीश गिरी को एकल मुकाबले के 7 वें राउंड में मात देते हुए एकल बढ़त हासिल की। अरविंद ने इस मैच में काले मोहरों से खेला जिसमें उन्होंने 24वीं चाल में बढ़त बनाई और उसके बाद 39 वीं चाल में इस मुकाबले को खत्म करने में कामयाब रहे।

प्रज्ञानंद ने चीन के वेई जी के खिलाफ खेला ड्रॉ

भारत के स्टार चेस खिलाड़ी प्रज्ञानंद ने प्राग टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले खिताब जीतने के दावेदार माने जा रहे चीन के वेई यी के खिलाफ हुए मुकाबले में ड्रॉ खेला। अरविंद ने संभावित सात में से अपने अंकों की संख्या पांच कर ली है और अब वह प्रज्ञाननंदा से आधे अंक की बढ़त पर हैं। अब जबकि केवल दो दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं। एक अन्य मुकाबले में तुर्किए के 16 वर्षीय गुरेल एडिज़ ने चेक गणराज्य के गुयेन थाई दाई वान को पराजित किया जबकि चेक गणराज्य के ही डेविड नवारा ने जर्मनी के विंसेंट कीमर के साथ ड्रॉ खेला। अरविंद पांच अंक लेकर पहले नंबर पर काबिज हैं जबकि प्रज्ञाननंदा 4.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। उनके बाद तीसरे नंबर पर वेई यी, एडिज़, कीमर और शैंकलैंड का नंबर आता है जिनके 3.5 अंक हैं। गिरी, नवारा और लीम के तीन-तीन अंक है जबकि दाई वान 2.5 अंकों के साथ सबसे आखिरी स्थान पर हैं।

अरविंद ने विश्वनाथन आनंद को छोड़ा पीछे

अरविंद चिदंबरम ने अनीश गिरी को प्राग मास्टर्स में मात देने के साथ लाइव रेटिंग में सीधे 14वां स्थान हासिल किया है, जिसमें अब उन्होंने दिग्गज चेस खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को भी पीछे छोड़ दिया है, जो 15वें नंबर पर हैं। लाइव रेटिंग में अब टॉप-15 में कुल 5 भारतीय खिलाड़ी हैं।

एसआरएच की टीम में हुई अब इस मैच विनर खिलाड़ी की एंट्री

चैंपियंस ट्रॉफी के शेड्यूल से नाखुश दिखे डेविड मिलर

नई दिल्ली, 06 मार्च 2025। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ 50 रन से हार का सामना करना पड़ा।

लाहौर में खेले गए मैच में जीत के लिए मिले 363 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रोटियाज टीम 312/9 रन ही बना सकी थी।

इस हार के बाद टीम के अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर ने सेमीफाइनल के शेड्यूल को लेकर के अपनी नाराजगी जाहिर की है।

गेंद के साथ बल्ले से भी दिखाता है कमाल

नई दिल्ली, 06 मार्च 2025। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के खत्म होने के बाद 22 मार्च से इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के 18वें सीजन का आगाज होगा। इसको लेकर जहां पिछले महीने ही आधिकारिक शेड्यूल का ऐलान कर दिया गया था तो वहीं सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है। इसी बीच सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने आगामी सीजन का आगाज होने से पहले एक बड़ा ऐलान किया है, जिसमें उन्होंने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स जो चोटिल होने की वजह से नहीं खेल पाएंगे उनकी जगह पर रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर साउथ अफ्रीकी टीम के बॉलिंग ऑलराउंडर खिलाड़ी वियान मुल्डर को शामिल किया है।

मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे वियान मुल्डर

वियान मुल्डर को लेकर बात की जाए तो उन्होंने आगामी आईपीएल सीजन को लेकर हुए मेगा ऑक्शन में भी हिस्सा लिया था लेकिन वहां पर वह अनसोल्ड रहे थे। वहीं अब सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने उन्हें 75 लाख रुपए में अपनी टीम के साथ जोड़ने का फैसला किया है। वियान मुल्डर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की साउथ अफ्रीकी टीम का भी हिस्सा थे जिसको सेमीफाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ 50 रनों से हार का सामना करना पड़ा। वियान मुल्डर गेंद और बल्ले दोनों से कमाल दिखाने में कामयाब होते हैं, जिसमें उन्होंने अभी तक के अपने करियर में ऐसा कमाल करके भी दिखाया है।

मुल्डर का अभी तक ऐसा रहा है करियर

इंटरनेशनल क्रिकेट में वियान मुल्डर तीनों ही फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं, जिसमें टेस्ट में उनके नाम जहां 30 विकेट हैं तो वहीं वनडे में 21 जबकि टी20 इंटरनेशनल में 8 विकेट हासिल कर चुके हैं। इसके अलावा मुल्डर ने टेस्ट में एक शतकीय और एक अर्धशतकीय पारी भी खेली है, जबकि वनडे में भी वह एक अर्धशतकीय पारी खेलने में कामयाब रहे हैं। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अपने अभियान का आगाज 23 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगी जो हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।

ग्रेटर नोएडा 21 मार्च से महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली,06 मार्च 2025। ग्रेटर नोएडा के गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में 21-27 मार्च तक होने वाली 8वीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की लगभग 300 शीर्ष महिला मुक्केबाज राष्ट्रीय गौरव के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। यूपी बॉक्सिंग एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित, राष्ट्रीय टूर्नामेंट उसी स्थान पर वापस आ रहा है, जिसने 2023 में अपने अंतिम संस्करण की शानदार सफलता के साथ मेजबानी की थी।

विश्व मुक्केबाजी और भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के दिशानिर्देशों के तहत आयोजित यह चैंपियनशिप 1 जनवरी, 1984 और 31 दिसंबर, 2005 के बीच जन्मे मुक्केबाजों के लिए खुली है। प्रत्येक राज्य इकाई अधिकतम 10 मुक्केबाजों को मैदान में उतार सकती है, जिसमें 10 मार्च को संख्या के आधार पर प्रविष्टियां बंद हो जाएंगी और 15 मार्च तक अंतिम नाम की पुष्टि हो जाएगी। आधिकारिक तौर पर यह कार्रवाई 20 मार्च को आगमन, ड्रा और तकनीकी बैठक के साथ शुरू होगी। शुरुआती दौर 21 से 24 मार्च तक होंगे, इसके बाद 25 मार्च को क्वार्टर फाइनल और 26 मार्च को सेमीफाइनल होंगे, जिसके बाद 27 मार्च को बहुप्रतीक्षित फाइनल होगा। बीएफआई के महासचिव हेमंत कुमार कलिता ने कहा, एलीट महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप भविष्य के चैंपियनों के लिए एक प्रजनन भूमि रही है, जो युवा प्रतिभाओं को सर्वश्रेष्ठ के खिलाफ खुद को परखने का मौका देती है।

दक्षिण अफ्रीका अभी भी एक टीम के रूप में विकसित हो रहा है : कोच वाल्टर

लाहौर, 06 मार्च 2025। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने जोर देकर कहा है कि गद्दाफी स्टेडियम में न्यूजीलैंड से 2025 चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में 50 रन से हारने के बावजूद उनकी टीम अभी भी एक टीम के रूप में विकसित हो रही है।दक्षिण अफ्रीका को कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि न्यूजीलैंड ने टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर 362/6 बनाया। जवाब में, प्रोटियाज अपने 50 ओवरों में 312/9 रन बना सके, जिसमें डेवी मिलर ने 67 गेंदों में नाबाद शतक बनाया। हमारे पास बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान देने वाले खिलाड़ी थे। गेंदबाजी के दृष्टिकोण से, मुझे लगता है कि हमारा सबसे बड़ा विकास हमारी सटीकता थी, और यह कुछ ऐसा है जिस पर हम वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम

जो भी मैच खेलते हैं, वह सीखने का अवसर होता है और हम बस थोड़ा-बहुत सबक लेने की कोशिश करते रहते हैं। वाल्टर ने मैच के बाद कहा, यह एक कठिन सबक था। आप इसे थोड़ा और महसूस करते हैं क्योंकि यह एक अभियान का अंत है, लेकिन हम निश्चित रूप से सीखते रहते हैं। हम अभी भी एक टीम के रूप में विकसित हो रहे हैं। मेरे मन में कोई संदेह नहीं है। हम 2027 विश्व कप के लिए ढाई साल दूर हैं और इसी पुरस्कार पर नजर है।उन्होंने यह भी महसूस किया कि दोनों पारियों की बल्लेबाजी पारी के मध्य ओवर मैच में अंतर साबित हुए, क्योंकि शतकवीर रचिन रवींद्र और केन विलियमसन के बीच दूसरे विकेट के लिए 164 रनों की साझेदारी के कारण न्यूजीलैंड आगे निकल गया।

गब्बर-पान सिंह तोमर,बॉलीवुड के मशहूर डकैत

एक्शन, रोमांस से लेकर क्राइम-थ्रिलर तक बॉलीवुड में हर शैली की फिल्में बनी हैं और निर्देशकों ने हर शैली को बड़ी ही खूबसूरती के साथ बड़े पर्दे पर उतारा है। बॉलीवुड में एक समय पर डकैतों पर भी कई फिल्में बनीं। किसी में इन डाकूओं को जुल्म ढाते दिखाया गया तो कुछ में इन्हें मसीहा बनकर पीड़ितों की मदद करते। बैंडिट क्वीन से लेकर सोनचिरैया जैसी फिल्मों ने दर्शकों का दिल खूब जीता। हेमा मालिनी, धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन स्टारर क्लासिक कल्ट शोले के गब्बर को भला कोई कैसे भूल सकता है। गब्बर हिंदी सिनेमा का वो

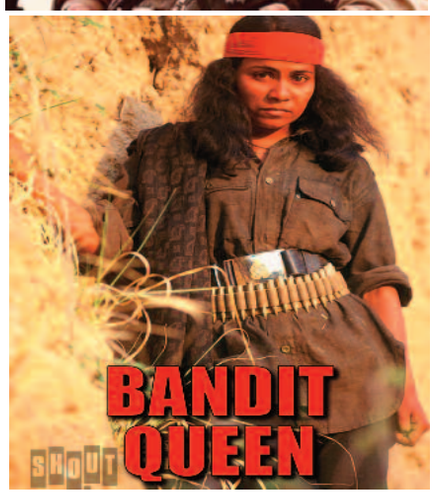

किरदार है, जिसने अमजद खान की पहचान ही बदल दी थी। लोग उन्हें इसी किरदार से जानने लगे थे। गब्बर सिंह एक असली डकैत था, इस डाकू के नाम पर उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकार ने एक समय पर 50 हजार ईनाम की घोषणा की थी। सुनील दत्त ने मदर इंडिया में डकैत का किरदार निभाकर सबको हैरान कर दिया था। मदर इंडिया में नरगिस ने सुनील दत्त की मां का किरदार निभाया था। फिल्म में उनका किरदार अपने ही बेटे पर गोली चला देती है, जिसके बाद हालातों का शिकार होकर सुनील दत्त का किरदार डाकू बन जाता है।

दिवंगत अभिनेता इरफान खान भी डकैत के किरदार में दिखाई दिए थे। उन्होंने पान सिंह तोमर में पान सिंह नाम के डकैत का किरदार निभाया था। अपनी एक्टिंग से अभिनेता ने इस किरदार को भी जीवंत कर दिया था और इसके लिए उनकी खूब तारीफ हुई थी।

जिन अभिनेताओं ने बड़े पर्दे पर डकैत का किरदार निभाया है, उनमें विनोद खन्ना का नाम भी शामिल है। उन्होंने मेरा गांव मेरा देश में एक डकैत की भूमिका निभाई थी और उनका यह किरदार आज भी याद किया जाता है।महानायक अमिताभ बच्चन ने बड़े पर्दे पर हर तरह के किरदार निभाए हैं तो इस मामले में पीछे कैसे रह जाते। उन्होंने फिल्म गंगा की सौगंध में एक डाकू का किरदार निभाया था।दिवगंत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने सोनचिड़िया में एक डकैत की भूमिका निभाई थी। फिल्म में डाकू मान सिंह के गिरोह की कहानी दिखाई गई थी, जिसे गिरोह के सभी लोग दद्दा कहते थे। दद्दा धर्म और भगवान पर विश्वास करता है और सब उसका आदर करते हैं। फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत ने अपने अलहदा अंदाज से सबको हैरान कर दिया था।

ऑस्ट्रेलिया में बजा इस बॉलीवुड फिल्म का डंका

ऑस्ट्रेलिया का पहला राष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव इस सप्ताह समाप्त हो सकता है। सिडनी, कैनबरा, गोल्ड कोस्ट, ब्रिसबेन, पर्थ, एडिलेड और मेलबर्न सहित सात शहरों के अभूतपूर्व दौरे के बाद, यह महोत्सव 2 मार्च, 2025 को रेड कार्पेट गाला और पर्थ में मर्डोक विश्वविद्यालय में तनिष्ठा चटर्जी की फिल्म रोम रोम में की समापन रात की स्क्रीनिंग के साथ समाप्त हुआ। जोया अख्तर द्वारा निर्देशित और रीमा कागती अभिनीत सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव ने ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव के पहले संस्करण में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता।

अनुज गुलाटी की विंगमैन (द यूनिवर्सल आइरनी ऑफ़ लव) ने सर्वश्रेष्ठ इंडी फीचर फिल्म का पुरस्कार जीता, जबकि प्रसिद्ध फिल्म निर्माता गौतम घोष की परिक्रमा ने सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म का सम्मान जीता। निर्देशक अनंत नारायण महादेवन की द मैन हू हर्ल्स न्यूज़ ने सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र (लघु) का पुरस्कार जीता। अन्य विजेताओं में द लास्ट शो के लिए वलवन वेलमुरुगन की सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म और द गारमेंटोलॉजिस्ट की सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्मः विशेष उल्लेख शामिल हैं। पोस्ट-प्रोडक्शन पूर्णता अनुदान के प्राप्तकर्ता मिस्टीबी राजा चटर्जी थे। बदरप्पा गजुला की माँ ऊरी रामायणम ने सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फीचर का पुरस्कार जीता।

रीमा कागती की सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता। मैं ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव को सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव को सर्वश्रेष्ठ फिल्म के रूप में चुनने और ऑस्ट्रेलिया भर के शहरों में इसे प्रदर्शित करने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगी, जिससे फिल्म को व्यापक दर्शकों तक पहुँचने में मदद मिली। हमें खुशी है कि महोत्सव के दर्शकों ने सपनों और दृढ़ संकल्प की इस कहानी को पसंद किया, कागती ने कहा।

सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव के बारे में

सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव फिल्म निर्माण के प्रति प्रेम का जश्न मनाते हुए कठिनाइयों, भावनाओं और चुनौतियों से भरी एक प्रेरणादायक यात्रा को दर्शाता है। फिल्म को इसकी कथा, प्रदर्शन और कहानी कहने के लिए प्रशंसा मिली है, जिसने दर्शकों को प्रेरित और भावुक कर दिया है। फिल्म में आदर्श गौरव, विनीत कुमार सिंह और शशांक अरोड़ा मुख्य भूमिकाओं में हैं।

CMYK

जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव टालने पर विपक्ष का विधानसभा में हंगामा

» विपक्ष ने किया वाकआउट...मनाने पहुंचे वित्त मंत्री चौधरी व अजय चंद्राकर

रायपुर,06 मार्च 2025(ए)। प्रदेश के कई जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के चुनाव टालने के मुद्दे पर आज विधानसभा में विपक्ष ने खूब हंगामा किया। नारेबाजी के बाद विपक्ष ने सदन से वाकआउट किया और सभी नेता गांधी प्रतिमा के सामने धरने पर बैठ गए। राज्य विधानसभा में शून्यकाल के दौरान पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया, सावित्री मंडावी, पूर्व मंत्री उमेश पटेल और पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत अन्य कांग्रेसी विधायकों ने शून्यकाल में इस मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों ने भाजपा पर आरोप लगाया। उमेश पटेल ने कहा कि, जहां-जहां कांग्रेस के सदस्य अधिक हैं, वहां चुनाव टाला जा रहा है। उन्होंने विपक्षी विधायकों पर खरीद फरोख्त का आरोप लगाया।

जिला पंचायत सदस्य को किया गायब

वहीं भूपेश बघेल ने कहा कि, लोकतंत्र के चीरहरण का प्रयास किया जा रहा है। दुर्ग में जिला पंचायत सदस्य को गायब कर दिया गया। जिसकी वजह से चुनाव निर्विरोध हो गया। जिला पंचायत सदस्य का शासकीय तौर पर अपहरण कराया गया।

जहां बीजेपी की हार संभावित,वहां...

विपक्षी सदस्यों ने जिला पंचायत चुनाव टालने पर वाकआउट किया और गांधीजी की प्रतिमा के समक्ष धरना दिया। कुछ देर बाद नाराज विपक्ष नेता प्रतिपक्ष के केबिन में इकट्ठा हुए। जिसके बाद विपक्ष को मनाने के लिए पहुंचे वित्त मंत्री ओपी चौधरी और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर पहुंचे। मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष और विधायकों को कार्यवाही में शामिल होने का अनुरोध किया। लेकिन, विपक्षी विधायको ने कहा कि इस मामले में सरकार को सदन में जवाब देना चाहिये। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मामले में मीडिया से बातचीत में कहा कि सत्तापक्ष ने चुनाव जीतने में शासकीय मशीनरी का उपयोग किया। कई पंचायतों में लोकतंत्र को अपमानित किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत में बैठक आहूत करने के बाद चुनाव तिथि बदलने की कार्रवाई हुई। विधानसभा में शासन की ओर से कोई जवाब नहीं आया है।

राज्य में पढ़े लिखे अफसरों के होते हुए एनजीओ से मदद क्यों ले रही सरकार : महंत

छत्तीसगढ़ विधानसभा में बजट सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने सरकार पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने सवाल उठाया कि काबिल आईएएस अधिकारियों के होते हुए भी सुशासन लाने के लिए एनजीओ की मदद क्यों ली जा रही है। महंत ने कहा कि राज्य में 7 आईएएस अधिकारी एमबीए, 34 अधिकारी एमटेक और बीटेक और 3 अधिकारी अमेरिका से शिक्षित हैं, फिर भी एनजीओ की आवश्यकता क्यों? महंत ने सरकार से पूछा, पिछले एक साल में आपने किस बड़े संस्थान को विकसित किया है? इस सवाल पर सदन में हंगामा मच गया, और विपक्ष ने सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार का विसियस सर्कल' चलता था। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार ग्यान' (ग्रोथ, यूथ, एग्रीकल्चर, न्यूट्रिशियन) और गति' (ग्रोथ, एकाउंटेबिलिटी, ट्रांसपेरेंसी, एनोवेशन) के जरिए सुशासन और आर्थिक प्रगति पर काम कर रही है।

गौण खनिज से प्राप्त राशि में अनियमितता पर हुई जांच पर उठा सवाल,

डिप्टी सीएम ने बताया छह अधिकारियों का हुआ है निलंबन

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के आठवें सत्र के दौरान विधायक राघवेंद्र कुमार ने प्रश्नकाल के दौरान गौण खनिज से प्राप्त राशि में अनियमितता को लेकर हुई जांच पर सवाल किया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि जांच में नियमों का उल्लंघन साबित होने पर छह अधिकारियों को निलंबित किया गया है।

सदन में हंगामा, कांग्रेस एमएलए ने पंचायत चुनाव को लेकर सरकार पर लगाए आरोप

इन दिनों छत्तीसगढ़ विधानसभा में बजट सत्र को लेकर बैठकें चल रही हैं। वहीं कांग्रेस विधायकों ने शून्य काल में पंचायत चुनाव में सरकारी दबाव का मुद्दा उठाया। अनिला भेड़िया ने डोंडी लोहारा में पंचायत चुनाव में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों को शपथ नहीं लेने देने का आरोप लगाया।. अनिला भेड़िया के अलावा सावित्री मंडावी, पूर्व मंत्री उमेश पटेल और पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत अन्य कांग्रेसी विधायकों ने जिला और जनपद पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव में सत्ता के दुरूपयोग का आरोप लगाया।

कांग्रेस सदस्यों की हो रही खरीद-फरोख्त

विपक्ष ने किया वॉकआउट

गुरुवार को सदन में कांग्रेस विधायकों ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उमेश पटेल और अनिल भेडिय़ा ने कहा कि जहां कांग्रेस सदस्य की संख्या ज्यादा है, वहां बिना वजह चुनाव रद्द किए जा रहे हैं। कांग्रेस सदस्यों की खरीद-फरोख्त की कोशिश हो रही है। कांग्रेस विधायकों ने मंत्री से जवाब देने की मांग की। जवाब नहीं मिलने से नाराज विपक्षी विधायकों ने सदन से वॉक आउट कर दिया। इसके बाद विधानसभा में एक दिलचस्प नाजरा देखने को मिला। सदन से वॉक आउट करने के बाद विपक्षी विधायक नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के कमरे में बैठे हुए थे। इसी दौरान वित्त मंत्री ओपी चौधरी और विधायक अजय चंद्राकर उन्हें मानने पहुंचे। दोनों नेताओं के अनुरोध के बाद कांग्रेस के विधायक मान गए और दोबारा कार्यवाही में शामिल होने पहुंचे।

निजी स्कूलों में नहीं होंगे प्री-बोर्ड परीक्षा

हाई कोर्ट के निर्देश के बाद जारी हुए आदेश

रायपुर,06 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश के निजी स्कूलों में अब प्री बोर्ड एग्जाम नहीं होंगे। 5वीं और 8वीं बोर्ड के एग्जाम नहीं कराए जाएंगे। हाई कोर्ट के निर्देश के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने यह आदेश जारी किए हैं।

रीएजेंट सप्लाई घोटाला पर बवाल

» पहली बार आईएएस से हुई पूछताछ...

» 660 करोड़ के घोटाले में छह घंटे तक चला सवालों का दौर...

रायपुर,06 मार्च 2025(ए)। रीएजेंट और उपकरणों की सप्लाई के नाम पर हुए 660 करोड़ रुपये के घोटाले में पहली बार सीजीएमएससी (छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन) के पूर्व एमडी और आईएएस अधिकारी चंद्रकांत वर्मा से आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा की टीम ने पूछताछ की। गिरफ्तार मोक्षित कॉर्पोरेशन के एमडी शशांक चोपड़ा से मिली जानकारी के आधार पर वर्मा से करीब छह घंटे तक सवाल-जवाब किए गए। मामले में जल्द ही ईओडब्लू द्वारा दूसरी बड़ी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

दस्तावेजों की गहन जांच, कई अधिकारी रडार पर

सूत्रों के मुताबिक, ईओडब्लू की टीम ने पहले ही सीजीएमएससी के कार्यालय जाकर दस्तावेजों की गहन जांच की थी। घोटाले में कई वरिष्ठ अधिकारियों की संलिप्तता सामने आई है। कुछ महीने पहले दवा निगम से हटाई गई एक महिला अधिकारी भी कई बार ईओडब्लू के समक्ष पेश हो चुकी है। इस मामले में आईएएस चंद्रकांत वर्मा को तलब किया गया, जिनसे दो दिन पहले लंबी पूछताछ की गई। स्वास्थ्य विभाग के इस बड़े घोटाले में दवा कॉर्पोरेशन, खाद्य एवं औषधि प्रशासन और स्वास्थ्य संचालनालय से जुड़े कई अफसर जांच के दायरे में हैं।

खराब हो चुकी दवाओं पर प्रशासन मौन

स्वास्थ्य केंद्रों में सप्लाई किए गए करोड़ों रुपये के केमिकल और उपकरण बेकार पड़े हैं। कई जगहों पर ये एक्सपायर हो चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। सप्लाई किए गए सीबीसी सहित अन्य मशीनों का भी इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। अधिकारियों ने इनके उपयोग का दावा किया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। घोटाले के कारण स्वास्थ्य केंद्रों तक जरूरी दवाओं और रीएजेंट की सप्लाई सामान्य नहीं हो सकी है।

मोक्षित कॉर्पोरेशन का एमडी जेल में... अगली पेशी 9 मार्च को

जनवरी के अंत में छापेमारी के बाद गिरफ्तार किए गए मोक्षित कॉर्पोरेशन के एमडी शशांक चोपड़ा फिलहाल न्यायिक रिमांड पर जेल में हैं। 24 फरवरी को उनकी रिमांड बढ़ाई गई थी, और अगली पेशी 9 मार्च को होगी।

अफसर अब भी पद पर बरकरार

सीजीएमएससी में कार्यरत कुछ अफसरों को ईओडब्लू की जांच के आधार पर हटाने की सिफारिश की गई थी, लेकिन ऊपरी दबाव के कारण अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ये अधिकारी अभी भी दवा कॉर्पोरेशन में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनके स्थान पर नए अधिकारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी रोक दी गई है। इस बीच, सीजीएमएससी कार्यालय को कड़ी सुरक्षा में रखा गया है, जहां बिना अनुमति किसी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं है।

हाईकोर्ट ने मासूम की हत्या के दोषी की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदला

बिलासपुर,06मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने रायपुर के उरला थाना क्षेत्र में 4 साल के मासूम बच्चे हर्ष कुमार चेतन की हत्या के दोषी पंचराम की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया है। हाईकोर्ट ने यह फैसला दोषी की उम्र और उसके आपराधिक रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला रेयरेस्ट ऑफ रेयर (दुर्लभतम मामलों) की श्रेणी में नहीं आता है, इसलिए आजीवन कारावास पर्याप्त सजा होगी।

तेज रफ्तार कार ट्रक से टकराई,5 लोगों की हुई मौत

रायपुर,06मार्च 2025(ए)। राजधानी रायपुर के मंदिरहसौद थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है, जिसमें कार सवार 5 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा ट्रक और कार के बीच हुई टक्कर के कारण हुआ। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार तेज रफ्तार में चल रही थी। अचानक कार का टायर फटने से वह अनियंत्रित होकर रॉन्ग साइड में चली गई। इसी दौरान सामने से आ रही एक ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में कार में सवार सभी 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

10 मार्च तक ईओडब्ल्यू की रिमांड में रहेंगे सौम्या चौरसिया,रानू साहू,सूर्यकांत तिवारी

रायपुर,06मार्च 2025(ए)। डीएमएफ घोटाला मामले में विशेष कोर्ट ने तीनों आरोपी सौम्या चौरसिया, रानू साहू और सूर्यकांत तिवारी को ईओडब्ल्यू की रिमांड पर सौंप दिया है। आरोपियों को 10 मार्च तक ईओडब्ल्यू रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। डीएमएएफ घोटाले में अब पांच आरोपी सौम्या चौरसिया, रानू साहू, सूर्यकांत तिवारी,माया वॉरियर, मनोज द्विवेदी ईओडब्ल्यू की रिमांड पर रहेंगे। आरोप पत्र में अब तक हुई जांच के हवाले से ईडी ने आकलन दिया है कि डीएमएफ घोटाला 90 करोड़ 48 लाख रुपये का है। आरोप पत्र में जेल में बंद निलंबित आईएएस रानू साहू, सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी, महिला बाल विभाग की अफसर रहीं माया वारियर, ब्रोकर मनोज कुमार द्विवेदी समेत 16 आरोपितों के नाम हैं। ईडी की जांच में पता चला कि वर्ष 2021-22 और 2022-23 में मनोज कुमार द्विवेदी ने रानू साहू और अन्य अधिकारियों से मिलीभगत की।

पैदल जा रहे व्यक्ति को तेज रफ्तार कार ने मारी ठोकर

रायपुर,06मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच आज पुरानी बस्ती थाने के सामने पैदल चल रहे व्यक्ति को तेज रफ्तार कार ने ठोकर मार दी। इस घटना में व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसे देख आपके भी होश उड़ जाएंगे। फिलहाल मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

महत्वपूर्ण खबर

3 प्रतिशत महंगाई भत्ते के भुगतान का आदेश जारी

रायपुर,06 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के कर्मचारियों और अधिकारियों को बढ़े हुए महंगाई भत्ते (डीए) का तोहफा दिया है। वित्त विभाग ने राज्य कर्मचारियों को 3 प्रतिशत महंगाई भत्ते के भुगतान का आदेश जारी कर दिया है। यह भत्ता मार्च के वेतन के साथ 1 अप्रैल से दिया जाएगा। इससे राज्य के लगभग 5 लाख कर्मचारियों और अधिकारियों को 300 से 7,000 रुपये तक का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। वित्त विभाग के अनुसार, यह महंगाई भत्ता मार्च के वेतन के साथ 1 अप्रैल से लागू होगा। इसका भुगतान कर्मचारियों के बैंक खातों में सीधे किया जाएगा। सरकार ने यह निर्णय कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और उन्हें महंगाई के बोझ से राहत देने के लिए लिया है।

नक्सल प्रभावित कांकेर में 4 लोग हिरासत में,पूछताछ जारी

कांकेर,06मार्च 2025(ए)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 4 लोगों को हिरासत में लिया है। सूत्रों के अनुसार, हिरासत में लिए गए लोगों में अंतागढ़ जनपद के निवर्तमान उपाध्यक्ष भी शामिल हैं। एनआईए की टीम उनसे नक्सल नेटवर्क और उससे जुड़े संदिग्ध गतिविधियों के बारे में पूछताछ कर रही है।

बाघ के हमले से ग्रामीण गंभीर रूप से घायल

बिलासपुर,06 मार्च 2025(ए)। बिलासपुर के तखतपुर क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक बाघ ने एक ग्रामीण पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह घटना कठमुंडा के तुरतुरिया खार इलाके में हुई, जब ग्रामीण अपने खेत में काम करने जा रहा था। जंगली जानवर के अचानक हमले से स्थानीय लोगो में दहशत फैल गई है। पीड़ित को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सक उसका इलाज कर रहे हैं। वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दे दी गई है और हमले की परिस्थितियों की जाँच शुरू कर दी गई है।

पूर्व सांसद के नाती की हत्या करने वाले दो युवक गिरफ्तार

बलौदाबाजार-रायपुर,06मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में पूर्व राज्यसभा सांसद स्व भूपेंद्र नाथ मिश्रा के नाती के ज्ञानेश मिश्रा मर्डर केस में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने कत्ल में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा कर दिया है। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया था। यह मामला कोतवाली थाने के परसा भदेर इलाके का है।

बस्तर में अज्ञात बीमारी का प्रकोप

दो माह में 8 ग्रामीणों की मौत

छिंदगढ़,06मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के छिंदगढ़ ब्लॉक के धनीकोर्ता गांव में एक अज्ञात बीमारी के कारण बीते दो महीनों में 8 ग्रामीणों की मौत हो चुकी है। ग्रामीणों में सीने, हाथ-पैर में दर्द और सूजन जैसी समस्याएं देखने को मिल रही हैं, जिससे गांव में दहशत का माहौल है। स्वास्थ्य विभाग की टीम पिछले तीन दिनों से गांव में शिविर लगाकर जांच कर रही है। अब तक 80 ग्रामीणों की जांच की गई, जिनमें से 37 लोगों को दर्द की शिकायत मिली, जबकि 9 लोग मलेरिया से संक्रमित पाए गए हैं। हालांकि, इस बीमारी की सटीक वजह का अभी तक पता नहीं चल सका है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)